वर्ष : 16 | अंक : 266 | मूल्य : 02 रूपया मात्र | पृष्ठ : 08 | RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान
लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित | शनिवार 17 जनवरी 2025

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

आयुष्मान भारत को अरविंद केजरीवाल ने बताया सबसे बड़ा घोटाला

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई थी रोक

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली मिशन (पीएम-अभिम)। पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 24 दिसंबर, 2024 के निर्देश के खिलाफ दिल्ली सरकार द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को देश का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। इससे पहले आज सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली सरकार को इसे लागू करने के लिए केंद्र के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया था।

केजरीवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने पुष्टि की है कि यह एक फर्जी योजना है।' आयुष्मान भारत देश का सबसे बड़ा घोटाला है. जब केंद्र सरकार बदलती है और इन घोटालों की जांच होती है, तो लोगों को एहसास होगा कि आयुष्मान भारत वास्तव में कितना बड़ा घोटाला था। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की शीर्ष अदालत की पीठ ने उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली सरकार को पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को लागू करने के लिए 5 जनवरी तक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया था। मिशन (पीएम-अभिम)। पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 24 दिसंबर, 2024 के निर्देश के खिलाफ दिल्ली सरकार द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। दिल्ली सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अदालत को याचिका पर नोटिस जारी करना चाहिए क्योंकि आप सरकार को केंद्र सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था।

बाल-बाल बचे फारूक अब्दुल्ला

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर हुआ भीषण एक्सीडेंट, दोनों एयरबैग खुल गए

नूना न्यूज एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर। के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला उस समय बाल-बाल बच गए जब दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर यात्रा के दौरान उनके काफिले का एक वाहन राजस्थान के दौसा जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह घटना तब हुई जब अब्दुल्ला सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर मत्था टेकने के लिए अजमेर जा रहे थे। पुलिस ने कहा कि वह घटना में सुरक्षित बच गया और अजमेर की ओर अपनी यात्रा जारी रखी। पुलिस ने कहा कि जो सुरक्षा वाहन दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वह फारूक अब्दुल्ला के काफिले की एस्कॉर्ट कार थी, पुलिस ने कहा कि यह दुर्घटना तब हुई जब वह सड़क पर आई नीलगाय से टकरा गई। इस हादसे में दिल्ली पुलिस की गाड़ी आगे से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और ड्राइवर और कंडक्टर साइड के एयरबैग भी खुल गए। जिसके कारण कार में लोग बाल-बाल बच गए। हालांकि इस हादसे में दिल्ली पुलिस के दो जवान घायल हुए हैं जिन्हें तत्काल दौसा जिला अस्पताल लाया गया लेकिन हल्की चोटें होने के कारण उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया। एस्कॉर्ट गाड़ी में बैठे एक और अन्य जवान को हल्की चोट लगी थी। इससे पहले 2019 में मध्य कश्मीर के मगाम में फारूक अब्दुल्ला के काफिले में शामिल एक वाहन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद घायल व्यक्ति को आवश्यक उपचार के लिए मेडिकल अस्पताल ले जाया गया।

ज्वलंत मुद्दा सम्पादकीय

सत्ता की बैसाखी पर टिके होने से बदल जाते हैं नेताओं के सुर

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलित प्रदेश के युवाओं की मांग पर भारतीय जनता पार्टी की चुप्पी आश्चर्यजनक नहीं है। दरअसल भाजपा न सिर्फ बिहार नीतिश सरकार में शामिल है, बल्कि केंद्र में भी उसी की बैसाखियों पर टिकी है। ऐसे में मुद्दा जनहित का हो या न हो, इससे भाजपा को फर्क नहीं पड़ता। इससे पार्टी के उसूलों पर भी आंच नहीं आती। इसी भाजपा ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ पेपर लीक प्रकरणों में विरोध प्रदर्शनों में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। यह दोहरा चरित्र अकेले भाजपा का हो ऐसा नहीं है। जिस प्रदेश या केंद्र में जिस भी दल की सरकार होती है, वहां की सत्तारुढ़ पार्टी का रवैया ऐसा ही होता है। केंद्र में कांग्रेस शासन के दौरान सहयोगी दलों के घपले-घोटाले इसका प्रमाण रहे हैं। सत्ता के लिए गठबंधन की मजबूरी से ऐसा करना देश की राजनीति का चरित्र बन गया है। सत्ता में होने पर पार्टी को कुछ गलत नजर नहीं आता और विपक्ष में आते ही मुद्दे और तरीके बदल जाते हैं। बिहार में 13 दिसंबर को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर छात्रों को पेपर देरी से मिला था और पेपर की सील पहले से खुली हुई थी। छात्र प्रदर्शनकारियों के पटना के गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल ने छात्रों और उनके संगठनों के आक्रोश को और बढ़ा दिया। बिहार की तरह राजस्थान भी कांग्रेस शासन के दौरान पेपर लीक प्रकरणों के कारण सुर्खियों में रहा है। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुई प्रतियोगिता परीक्षाओं में एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आए। सब इंस्पेक्टर भर्ती, सीएचओ भर्ती, लाइब्रेरियन भर्ती और वरिष्ठ अध्यापक भर्ती सहित कई परीक्षाओं के पेपर लीक होने के खुलासे हुए।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

उन्नाव रेप के दोषी कुलदीप सिंह सेंगर को लगा झटका

>> 20 जनवरी को सरेंडर करने का आदेश

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। हाई कोर्ट ने 2017 के उन्नाव बलात्कार मामले में चिकित्सा आधार पर निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर को दी गई अंतरिम जमानत बढ़ाने से शुक्रवार को इनकार कर दिया और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और

न्यायमूर्ति धर्मेश शर्मा की पीठ ने राहत को और बढ़ाने की मांग करने वाली सेंगर की याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया और मामले को 27 जनवरी को दूसरी पीठ के समक्ष रखने का निर्देश दिया। 2019 में ट्रायल कोर्ट के जज रहते हुए जस्टिस धर्मेश शर्मा ने सेंगर को मामले में दोषी ठहराया और सजा सुनाई। न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि हम शामिल नहीं हो रहे हैं। आप पहले आत्मसमर्पण करें, हम विचार करेंगे। सेंगर के वकील ने इस आधार पर विस्तार की मांग की कि अगले सप्ताह एम्स में उनकी आंख की सर्जरी होनी है। अदालत ने कहा कि एम्स आपको एक और तारीख देगा। सीबीआई के वकील ने कहा कि 20 दिसंबर को अंतरिम जमानत एक महीने के लिए बढ़ाते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाना चाहिए और उन्हें 20 जनवरी को जेल अधीक्षक के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे राजनेता को उनके स्वास्थ्य के कारण दिसंबर की शुरूआत में दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दी गई थी, जिसे बाद में एक और महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। अंतरिम जमानत के विस्तार के लिए सेंगर की याचिका, बलात्कार मामले में दिसंबर 2019 ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ उनकी अपील का हिस्सा थी।

सार समाचार

आतिशी और संजय सिंह को नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद संदीप दीक्षित की दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना और आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह के खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि याचिका पर नोटिस जारी किया है। चीफ एडिशनल जुडिशियल मजिस्ट्रेट पारस दलाल ने आतिशी मार्लेना और संजय सिंह को 27 जनवरी को पेश होने के लिए समन जारी किया है। संदीप दीक्षित ने याचिका में कहा है कि आतिशी मार्लेना और संजय सिंह ने 26 दिसंबर, 2024 को एक पत्रकार वार्ता की।

बलरामपुर जिले में 5.6 डिग्री रिकॉर्ड ठंड

रायपुर। राज्य के मौसम में बदलाव की संभावना है। पिछले कई दिनों से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से फिर ठंड बढ़ेगी। न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा, उसके बाद मौसम साफ होते ही रात के तापमान में गिरावट आएगी। सबसे ठंडा बलरामपुर रहा जिसका न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक मौसम शुष्क (ड्राई) रहेगा।

मिजोरम: सीएनएफ नेता समेत 5 गिरफ्तार

आइजोल। मिजोरम के ममित जिले के वेस्ट फेलेंग थाना क्षेत्र के सैथाह गांव के पास मिजोरम पुलिस और खुफिया एजेंसी को संयुक्त अभियान में बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद करने में कामयाबी मिली है। इस दौरान म्यांमार के चिन नेशनल फ्रंट (सीएनएफ) का एक प्रमुख नेता पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस के मुताबिक अभियान के दौरान छह एके-47 राइफल, 10,050 कारतूस और 13 मैगजीन को बरामद कर पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया।

तेलंगाना की सीमा पर जंगल में नक्सलियों को 1500 जवानों ने घेरा, मुठभेड़ जारी

बीजापुर। बीजापुर के उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर व मारुड़बाका के जंगल में गुरुवार की सुबह से पुलिस-

नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुठभेड़ में करीब 10 से अधिक नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि पुलिस के अधिकारियों ने नक्सलियों से मुठभेड़ की पुष्टि की है। लेकिन, नक्सलियों के मारे जाने के संख्या की जानकारी अभियान पूरा होने बाद देने की बात कही है। बताया जा रहा है कि बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर तीन जिलों के नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबल बड़ा ऑपरेशन चला रहे हैं। जानकारी मिली है कि बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर तीन जिलों के नक्सलियों के खिलाफ बीजापुर, डीआरजी सुकमा, दंतेवाड़ा, सीआरपीएफ कोबरा के 204, 205, 206, 208, 210 और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल 229 बटालियन की संयुक्त बटालियनों के लगभग 1200 से 1500 जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। जंगल में बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इनमें कुछ बड़े कैडर के नक्सली भी शामिल हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि विस्तृत जानकारी अभियान पूरा होने के बाद इस बारे में जानकारी दी जाएगी। इससे पहले 12 जनवरी को बीजापुर के मद्देड़ थाना क्षेत्र में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में दो महिलाओं समेत पांच नक्सली मारे गये थे। पुलिस ने कहा था कि दो साल में छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों पर अपने सबसे बड़े हमले में नक्सलियों ने इस महीने की शुरुआत में बीजापुर जिले में 60 से 70 किलोग्राम वजन वाले एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण का उपयोग करके एक वाहन को उड़ा दिया, जिसमें आठ सुरक्षाकर्मी और उनके नागरिक चालक की मौत हो गई।

देर रात चोर ने किया था चाकू से हमला

अभिनेता सैफ अली पर घर में घुसकर हमला; सर्जरी हुई, आईसीयू में भर्ती

एजेंसी, मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर चाकू से हमला कर दिया। इससे सैफ अली घायल हो गए। उन्हें फौरन ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों ने उनकी सर्जरी की। उन्हें सर्जरी के बाद आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है। सैफ के घर से एक सीसीटीवी फुटेज में आरोपी युवक दिखाई दे रहा है। वहीं, पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, सैफ अली बुधवार आधी रात के बाद अपने घर में चोर के हमले में घायल हो गए थे। उन्हें गहरी चोटें आईं। इसके बाद उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके बड़े बेटे इब्राहिम अली खान ने उन्हें अस्पताल में भर्ती

कराया था। लीलावती अस्पताल के डॉ. नितिन डांगे ने मीडिया को बताया कि सर्जरी से सैफ अली की हालत स्थिर है और सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि सैफ अली खान की न्यूरो और प्लास्टिक सर्जरी हुई है। उन्हें गहरे घाव हैं। उनकी रीढ़ से ढाई इंच की चाकू की नोंक निकाली गई है। पुलिस उपायुक्त दीक्षित गेडाम ने बताया कि इस मामले में तीन नौकरों से पूछताछ की जा रही है। इन तीनों का मोबाइल पुलिस ने जब्त कर लिया है। अब तक की जानकारी के अनुसार हमलावर सैफ अली खान के बेटे जहांगीर के बेडरूम में छिपा था। उसे देखने के बाद नौकरानी ने शोर मचाना शुरू कर दिया।

जांच के लिए पुलिस की 15 टीम में गठित

सैफ अली पर हुए हमले के बाद मुंबई पुलिस ने जांच के लिए 15 पुलिस टीमें गठित की हैं। इनमें मुंबई पुलिस अपराध शाखा की 8 और मुंबई पुलिस की 7 टीम अलग-अलग एंगल से मामले की छानबीन कर रही हैं। इनमें से एक टीम को मुंबई के बाहर भेजा गया है।

मुंबई सुरक्षित नहीं, यह कहना गलत है: फडणवीस

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सैफ पर उनके घर में घुसकर हमला करना एक गंभीर घटना है। लेकिन, इसके कारण मुंबई को असुरक्षित कहना गलत होगा। पुलिस कार्रवाई कर रही है और सरकार मुंबई को सुरक्षित बनाने के लिए कदम उठाएगी।

आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें 2026 से होगी लागू : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

प्रदान की है। जल्द ही इसके अध्यक्ष और दो सदस्यों को नियुक्त किया जाएगा। आयोग की सिफारिशें 2026 से लागू होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कैबिनेट से जुड़ी पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आठवें वेतन आयोग को मंजूरी दी है। वेतन आयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन और भत्तों की मंजूरी प्रदान करता है। इसकी सिफारिशों पर सरकार कर्मचारियों को वेतन प्रदान करती है। वैष्णव ने बताया कि 1947 के बाद से नियमित अंतराल पर वेतन आयोग का गठन किया गया है। अब तक सात वेतन आयोग गठित किया जा चुके हैं। सातवें वेतन आयोग की सिफारिश को 2016 में लागू किया गया था। इसका कार्यकाल 2026 में पूरा होने जा रहा है। इससे पहले 2025 में समय से इसकी समीक्षा करने और तय समय पर सिफारिशें लागू करने के लिए वित्त आयोग की स्थापना की गई है।

बढ़ेगा न्यूनतम वेतनमान

मौजूदा समय में बेसिक न्यूनतम वेतनमान 18,000 रुपए प्रतिमाह है। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद मूल वेतनमान बढ़कर 40 हजार से 42 हजार रुपए हो सकता है। सरकार को इस आंकड़े की तरफ गंभीरता से सोचना चाहिए। बता दें कि सातवें वेतन आयोग ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों का वेतन बढ़ाने के लिए डॉ. एक्राय्ड फॉर्मूले का इस्तेमाल किया था।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय खेलों का 28 को करेंगे शुभारंभ

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह को ऐतिहासिक और प्रेरणादायक बनाने की व्यापक तैयारी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 जनवरी को देहरादून आकर इन खेलों का शुभारंभ करेंगे। उनके आगमन के मद्देनजर शासन और प्रशासन स्तर पर तैयारियां जोरों पर हैं। खेल सचिवालय, रजत जयंती खेल परिसर में आयोजित उच्चाधिकारियों की बैठक में खेल मंत्री रेखा आर्या ने उद्घाटन समारोह की योजना की समीक्षा की। खेल मंत्री ने निर्देश दिया कि राष्ट्रीय खेलों का यह आयोजन भविष्य के लिए एक मिसाल बने और इसमें प्रदेश की स्थापना के रजत जयंती वर्ष की छवि स्पष्ट झलके।

गोधरा कांड की 13 फरवरी को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले की सुनवाई 13 फरवरी को करेगा। जस्टिस जेके माहेश्वरी

की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अब इस मामले पर आगे कोई स्थगनादेश नहीं दिया जाएगा। इस मामले में गुजरात सरकार के अलावा कई दोषियों ने गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी है। गुजरात सरकार ने कहा है कि वो उन 11 दोषियों की फांसी की सजा की मांग कर रहा है जिनकी सजा कम कर उम्रकैद में तब्दील कर दिया गया है। 27 फरवरी 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 बोगी में आग लगाई गई थी जिसमें 58 लोगों की मौत हो गई थी।

आस्था

तीन दिन में महाकुम्भ के बाद आसपास के धार्मिक स्थलों पर पहुंच रहे श्रद्धालु

7 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचे प्रयागराज महाकुम्भ

एजेंसी, महाकुम्भ नगर

प्रयागराज महाकुम्भ में पहुंचे देश-विदेश के श्रद्धालु अब उत्तर प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी पहुंचने लगे हैं। स्नान के उपरांत श्रद्धालु 13, 14 व 15 जनवरी को श्रृंगवेरपुर, चित्रकूट, वाराणसी, मां विंध्यवासिनी धाम, नैमिषारण्य व अयोध्या में दर्शन-पूजन करने पहुंचे हैं। मेला प्रशासन के मुताबिक, अब तक तकरीबन सात करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने महाकुम्भ में स्नान-पूजन किया। जबकि, अयोध्या में तीन दिन में तकरीबन 10 लाख, काशी विश्वनाथ मंदिर में 7.40 लाख, विंध्यवासिनी धाम में 5 लाख व नैमिषारण्य धाम सीतापुर में एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किया। इन क्षेत्रों में श्रद्धालुओं के पहुंचने से स्थानीय रोजगार को भी काफी बढ़ावा मिल रहा है।

पांच जोन और 12 सेक्टर में बंटा अयोध्या धाम

अयोध्या के एसएसपी राजकरण नैयर ने बताया कि अयोध्या धाम को 5 जोन व 12 सेक्टर में विभाजित कर दो पालियों में पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। मुख्य स्नान पर्व पर राजपत्रित अधिकारी व थाना प्रभारी की ड्यूटी अलग से लगाई जाएगी। इसके अतिरिक्त पीएसी बल, बाढ़ राहत दल पीएसी की ड्यूटी लगाई गई है। यलो जोन यूटी प्वाइंट पर तीन पालियों में पुलिस, पीएसी की ड्यूटी लगाकर यातायात को सुव्यवस्थित कराया जा रहा है। सीसीटीवी कंट्रोल रूम द्वारा निरंतर निगरानी भी की जा रही है।

अयोध्या पहुंचे 10 लाख श्रद्धालु

प्रयागराज से अयोध्या पहुंचा श्रद्धालुओं का सैलाब- रामनगरी में निरंतर श्रद्धालुओं का सैलाब पहुंच रहा है। जय श्रीराम के जयकारे संग अयोध्या पहुंचे श्रद्धालुओं की आस्था से पूरी नगरी राममय हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जिला प्रशासन दर्शनार्थियों के लिए सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध करा रहा है। तकरीबन 10 लाख से अधिक श्रद्धालु तीन दिन में अयोध्या पहुंचे हैं। रामलला के 500 वर्ष बाद विराजमान होने के उपरांत यहां सर्वाधिक श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। यहां रामलला व हनुमानगढ़ी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी लाइन उमड़ी है।

बाइडेन प्रशासन का आखिरी हफ्ते में फैसला

अमेरिका ने भारत के 3 परमाणु संस्थानों से हटाए प्रतिबंध

- अनुसंधान और विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) समेत भारत के तीन शीर्ष परमाणु संस्थानों से बुधवार को प्रतिबंध हटा लिया। इससे अमेरिका के लिए भारत को असैन्य परमाणु प्रौद्योगिकी साझा करने का रास्ता साफ हो जाएगा। बाइडन प्रशासन ने कार्यकाल के आखिरी हफ्ते और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की भारत यात्रा के एक हफ्ते

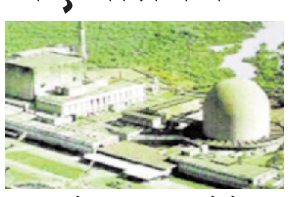

बाद यह घोषणा की। 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण करने और परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर न करने पर अमेरिका ने यह प्रतिबंध लगाया था। अमेरिका के उद्योग और सुरक्षा ब्यूरो (बीआईएस) के अनुसार, बार्क के अलावा इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) और इंडियन रेयर अर्थ्स (आईआरई) पर से प्रतिबंध हटाया गया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता को महंगाई से मुक्ति देने के लिए दो गारंटियों की घोषणा किया

नई दिल्ली, जनवरी : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव की मौजूदगी में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवन्थ रेड्डी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता को महंगाई से मुक्ति देने के लिए दो गारंटियों की घोषणा करके दिल्ली में कांग्रेस की जीत का का रास्ता प्रशस्त किया। आज घोषित गारंटी में दिल्लीवासियों को 500 रुपए में प्रति रसोई गैस सिलेंडर और हर महीने राशन की किट दी जाऐगी, जिसमें 5 किलो चावल, 2 किलो चीनी, 1 लीटर खाने का तेल, 6 किलो दाल और 250 ग्राम चाय पत्ती होगी और पांचवी गारंटी के तहत 300 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे। संवाददाता सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन, तेलंगाना के मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी, तेलंगाना से सांसद मल्लू रवि और रघुवीर रेड्डी, अ.भा.क. कमेटी के सचिव दानिश अबरार और सम्पथ कुमार, पूर्व मंत्री डा. नरेन्द्र नाथ, अभय दूबे, आस्मा तस्लीम और रश्मि मिगलानी मौजूद थी।

तेलंगाना में कर दिखाया-अब दिल्ली की बारी : रेवन्थ रेड्डी

रेवन्थ रेड्डी ने कहा कि हमने तेलंगाना में सरकार बनाने के 13 महीनों में जनता से की गई 5 गारंटियों को पूरा करने की कोशिश की। हमने तेलांगना में पहले ही वर्ष में 21 हजार करोड़ रुपए किसानों का कर्ज माफ किया, जोकि 2 लाख रुपए तक किसानों के माफ करने का वादा किया था। बेरोजगारी की समस्या से राहत देकर 55143 युवाओं को सरकार में नौकरी दी है। अब तक 1.20 करोड़ महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा के तहत 4000 करोड़ रुपए खर्च किए है, 50 लाख परिवारों को 500 रुपए में गैस सिलेंडर दिया है, 50 लाख परिवारों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जो वादे करती है उन्हें पूरा करती है। मैं दिल्ली की जनता को भरोसा दिलाता हूँ कि दिल्ली में 5 फरवरी को कांग्रेस को वोट देकर चुने, कांग्रेस दिल्ली की जनता की जरुरतों को पूरा करेगी।

रेवन्थ रेड्डी ने कहा कि 3 बार नरेन्द्र मोदी जीते, 3 बार केजरीवाल जीते और 3 बार शीला दीक्षित जीती, अंतर साफ दिखाई देता है। मोदी और केजरीवाल ने जनता से किया कोई वादा पूरा नही किया जबकि शीला दीक्षित ने दिल्ली की जनता से किया हर वादा पूरा किया। मोदी जी चॉद पर ले जाने की बात करते है, केजरीवाल दिल्ली की पेरिस बनाने की बात करते है, लेकिन दोनो ने दिल्ली के लिए कोई काम नही किया। शीला दीक्षित जी के 15 वर्षो में किए विकास को आम आदमी पार्टी और भाजपा ने दिल्ली को प्रदूषण, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में बदहाल बना दिया है। उन्होंने कहा कि बदलाव का समय है, दिल्ली की जनता बदलाव करेगी, हम जनता से की गई अपनी गारंटियों को पूरा करके जनता के विकास और जीवन को गति प्रदान करेंगे।

मुक्त धारा सभागार में सांझ सबेरा नाटक का मंचन, कलाकारों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने जीता दर्शकों का दिल

नई दिल्ली, जनवरी : दिशा ग्रुप ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आट्र्स ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 13 जनवरी को मुक्त धारा सभागार, गोल मार्केट, नई दिल्ली में दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित और संपा मंडल द्वारा निर्देशित नाटक ह्यसांझ सबेराह्न का भव्य मंचन किया। प्रस्तुति का संयोजन प्रख्यात रंगकर्मी डॉ. सत्य प्रकाश ने किया। नाटक में गगन, शिखा आर्य, वारिस हुसैन, संतुष्टि, शिवा, शिल्पा, प्रवीण भारती और बाल कलाकार अक्ष वर्मा व दक्ष शर्मा सहित कई कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय किया। दक्ष शर्मा की अदाकारी ने विशेष ध्यान आकर्षित किया। वस्त्र-सज्जा डालचंद ने की, जबकि मेकअप प्रवीण भारती और संध्या वर्मा ने किया। सांझ सवेरा पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करता है। इसमें मां-बाप और बच्चों के रिश्ते, पारिवारिक जिम्मेदारियां, संघर्ष, इच्छाएं, और जीवन के मूल्यों पर आधारित विचारों को प्रभावी ढंग से दिखाया गया। नाटक का पात्र शीतल प्रसाद अपने परिवार और समाज को साथ लेकर चलने की कोशिश करता है, लेकिन आर्थिक और नैतिक संघर्षों के बीच परिवार बिखर जाता है। दर्शकों ने भावनात्मक दृश्यों, प्रभावशाली संवादों और कलाकारों की शानदार प्रस्तुति पर तालियां बजाकर नाटक की सराहना की। ह्यसांझ सबेराह्न आज के सामाजिक परिवेश में प्रासंगिक मुद्दों को उजागर करता है, जो दर्शकों को गहराई से सोचने पर मजबूर करता है।

बढ़ते वायरस के कारण बौद्धिक ईमानदारी को लेकर गंभीर खतरा

दिल्ली। हमारे प्रमुख विश्वविद्यालयों में RSS की पूर्वाग्रह वाली कंस्पायरेसी थिअरीज और उसकी बदनाम करने की प्रवृत्ति के बढ़ते वायरस के कारण बौद्धिक ईमानदारी को लेकर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। एक घोर पक्षपातपूर्ण और नॉन-सीरियस पुस्तक के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया और उसमें खुद कुलपति शामिल हुए। यह उस संस्थान के लिए घोर अपमान है जो एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान रहा है लेकिन अब RSS की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य करता है। UGC के नए नियम, जो कुलपतियों की नियुक्ति और गैर-शैक्षणिक लोगों की नियुक्ति के लिए केंद्र सरकार को अधिक ज़िम्मेदारी और अनुमति देते हैं, का उद्देश्य केवल विश्वविद्यालय परिसरों में इस तरह के नॉन-सीरियस राजनीति षड्यंत्र को बढ़ावा देना है।

जरूरतमंदों को नि:शुल्क कंबल वितरण किया गया

नई दिल्ली। सोसाइटी फॉर ब्राइट फ्यूचर द्वारा बुधवार 15 जनवरी 2025 को RWA कार्यालय, अबुल फसल एनक्लेव,(ओखला) के प्रांगण में प्रॉजेक्ट राहत के तहत 100 से अधिक जरूरतमंदों के बीच नि:शुल्क कंबल वितरण किया गया। इस कम्बल वितरण कार्यक्रम में श्री सैयद मोहम्मद फारुक (ऑनर और हिमालय ड्रग्स), श्री टी आरिफ अली (वाइस प्रेसिडेंट, पार्टनर आगेर्नाइजेशन) और श्री अबरार मक्की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी मुख्य अतिथियों ने SBF के कार्यों की सराहना की और इसे मानवता का कार्य बताया। अतिथियों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग SBF के इस पुण्य के काम से जुड़ें और SBF का सहयोग करें ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की इस कड़ाके की सर्दी में कंबल पहुंचाया जा सके। सभी गणमान्य लोगों ने कहा कि वो स्ड्ढक्रके साथ सदैव खड़े रहेंगे और इस काम में ज्यादा से ज्यादा सहयोग करेंगे। इस कार्यक्रम में सोसाइटी फॉर ब्राइट फ्यूचर के नेशनल कॉर्डिनेटर ,इरफान अहमद, नेशनल वालंटियर कॉर्डिनेटर, डॉक्टर आमिर जमाल और पी आर कॉर्डिनेटर,मोहम्मद अमान भी उपस्थित रहे। बता दें कि सोसाइटी फॉर ब्राइट फ्यूचर आपदा प्रबंधन के ऊपर काम करने वाली एक राष्ट्रीय स्तर की गैर सरकारी संस्था है और इस संस्था का काम आपदा के जोखिमों को कम करना और आपदा के समय लोगों की मदद करना है। SBF का भारत के 13 राज्यों में ट्रेंड वॉलंटियर्स की चेन है जो किसी भी आपदा के समय त्वरित सहायता के लिए तैयार रहते हैं। अगर प्रॉजेक्ट राहत की बात करें तो सोसाइटी फॉर ब्राइट फ्यूचर प्रॉजेक्ट राहत के तहत पिछले दस सालों में सर्दी के मौसम में 3 लाख से ज्यादा कम्बल बांट चुकी है और इसका लक्ष्य सर्दी के मौसम में ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक कंबल पहुंचाना है और सर्दी के कारण होने वाली समस्याओं को कम करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में SBF दिल्ली के स्टेट कनवीनर,मोहम्मद शहजाद और अन्य वॉलंटियर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

11 राज्यों के सामाजिक बदलाव के लिए 15 स्टार्टअप का चयन चुने गए

नई दिल्ली, जनवरी : जुबिलेंट भारतिया फाऊंडेशन की अनोखी पहल भारत इम्पैक्ट ने सामाजिक प्रभाव वाले 15 स्टार्टअप्स का चयन किया है। इम्पैक्ट क्वेस्ट प्रोग्राम के तहत भारत के 11 राज्यों के विभिन्न क्षेत्रों से इन स्टार्टअप्स को चुना गया। इस पहल के तहत, 15 जनवरी से दिल्ली में एक दो दिवसीय बूट कैंप आयोजित किया जा रहा है, जिसमें इंडस्ट्री विशेषज्ञ इन स्टार्टअप्स को व्यावहारिक प्रशिक्षण और मार्गदर्शन देंगे। इसके बाद 9 महीनों तक शुरुआती इन्क्यूबेशन और एक्सीलरेटर प्रोग्राम आयोजित होंगे। भारत इम्पैक्ट का उद्देश्य भारत में सामाजिक उद्यमशीलता को बढ़ावा देना और समाज पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव डालना है। जुबिलेंट भारतिया फाऊंडेशन ने अपने प्रतिष्ठित सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप ऑफ द ईयर (एसईओवाई) अवॉर्ड के 15 वर्षों के अनुभव का लाभ उठाते हुए यह पहल शुरू की है।

श्वाब फाऊंडेशन के साथ साझेदारी में, यह अवॉर्ड पूरे भारत में सूक्ष्म उद्योगों से जुड़कर सामाजिक उद्यमियों को पहचान और प्रोत्साहन देता है। साथ ही, 15 से अधिक कंपनियों की व्यावसायिक विशेषज्ञता का लाभ उठाकर सामाजिक बदलाव की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान जोर पकड़ने लगा

डॉ. समरेन्द्र पाठक/वरिष्ठ पत्रकार। नयी दिल्ली 17 जनवरी 2025 (एजेंसी)। दिल्ली विधान सभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान अब धीरे-धीरे जोर पकड़ने लगा है। आज नामांकन की आखिरी तिथि होने के कारण जगह-जगह गहमा-गहमी एवं जाम से लोगों को जुझना पड़ा। दिल्ली की सभी 70 सीटों पर 5 फरवरी को वोट डाले जाएंगे एवं गिनती 8 फरवरी को होगी। दिल्ली के कुल एक करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 मतदाता प्रत्याशियों के किस्मत का फैसला करेंगे। भाजपा की कल अंतिम सूची आने के बाद से हर क्षेत्र की तस्वीरें

सामने आ गयी है। भाजपा ने अपने दो सहयोगियों जदयू के लिए बुराड़ी एवं लोजपा(आर)के लिए देवली सीटें छोड़ी है। कई अन्य सहयोगी कुछ सीटों पर अपने प्रत्याशी पहले ही उतार चुके हैं। वर्ष 2020 के चुनाव में जदयू दो सीटों पर चुनाव मैदान में उतरा था। इस बार जदयू का कद केंद्र में बढ़ने के बावजूद उसको दिल्ली में मिलने वाली हिस्सेदारी आधी कर दी गई है। जदयू ने अपने कोटे की सीट पर पुराने प्रत्याशी शैलेन्द्र कुमार को फिर से मैदान में उतारा है,जो गत चुनाव में बुरी तरह हार गए थे। स्थानीय भाजपा कार्यकताओं में भी यह सीट फिर जदयू को देने को लेकर भारी रोष है। इस बीच चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान तेज कर दिया है। मतदाताओं की सुविधा के लिए इस चुनाव में 13 हजार 33 पोलिंग बूथ बनाए जाएंगे। हर बूथ पर औसतन 1191 मतदाता होंगे। 85 वर्ष से अधिक आयु के लोग घर से वोट कर सकते हैं।

नौसेना नागरिक वर्ष का आयोजन, नौसेना नागरिक गीत जी जान लगन से की विशेष प्रस्तुति

नई दिल्ली, जनवरी : भारतीय नौसेना नई दिल्ली स्थित डॉ. डीएस कोठारी सभागार, डीआरडीओ भवन में गर्व के साथ नौसेना नागरिक वर्ष का आयोजन कर रही है। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि माननीय रक्षा मंत्री होंगे। इस विशेष आयोजन में नौसेना नागरिकों की उल्लेखनीय उपलब्धियों और योगदानों को प्रदर्शित किया जाएगा।

एक विशेष प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिसमें नौसेना नागरिकों के कार्य, जीवन और उनकी प्रेरक कहानियों को दशार्ते फोटोग्राफ और पेंटिंग्स प्रदर्शित की जाएंगी। यह प्रदर्शनी उनकी विभिन्न भूमिकाओं और उपलब्धियों की झलक प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार प्राप्तकताओं का परिचय दिया जाएगा, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण कौशल, समर्पण और नवाचार का प्रदर्शन किया है। इसके बाद नौसेना प्रमुख का संबोधन होगा, जिसमें नौसेना के मिशन में नौसेना नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका और उनके योगदानों का उत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम में नौसेना नागरिकों की मेहनत और समर्पण को दशार्ने वाली एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की जाएगी। इस आयोजन की खास बात ह्यजी जान लगन सेह्न नामक एक विशेष नौसेना नागरिक गीत है, जिसे नौसेना के नागरिक कर्मचारियों ने ही लिखा, संगीतबद्ध किया और गाया है। इसमें वाद्य यंत्रों की धुन नौसेना सेंट्रल बैंड के संगीतकारों द्वारा तैयार की गई है। इस टीम को कमांडर सतीश चैंपियन, निदेशक संगीत (नेवी) ने मार्गदर्शन दिया है। यह गीत कार्यक्रम के दौरान लाइव प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री नौसेना नागरिकों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुरस्कार और नकद सम्मान प्रदान करेंगे। यह आयोजन नौसेना के सिविल और सैन्य कार्मिकों के सामूहिक प्रयासों की सराहना का प्रतीक है।

सिख संगत के आशीर्वाद से बीबी जसबीर कौर मसाना भारी वोटों से जीतेंगी : ढिल्लो

लाडवा, जनवरी : हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के रविवार को चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में सभी वार्डों में उतरे उम्मीदवारों ने अपनी जीत सुनिश्चित करने हेतु अपनी पूरी ताकत झोंक दी हैं। इसी कड़ी में हरियाणा सिख पंथक पार्टी द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया।

धर्मप्रचार कमेटी अमृतसर के सदस्य तेजेन्द्र पाल सिंह ढिल्लो ने कहा कि रविवार को होने वाले चुनाव में सिख संगत बढ़ चढ़कर मतदान करें। उन्होंने कहा कि वार्ड 14 से प्रत्याशी बीबी जसबीर कौर मसाना गुरु घर के प्रति पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ समर्पित है। वे सुबह गुरु घर में शीश नवाकर अपना चुनाव प्रचार शुरू करती हैं। उनकी जीत सही मायनों में योग्य उम्मीदवारों की जीत होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के उम्मीदवारों की जीत से हरियाणा में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सिख संगत को भारी तरक्की देखने को मिलेगी। शाहबाद का मीरी पीरी मेडिकल कॉलेज इस बात का जीता जागता उदाहरण है। जहां प्रतिदिन हजारों लोगों को कम दामों में उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिल रहीं है।

स्टार्टअप बना युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का वरदान : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुरुक्षेत्र, जनवरी : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि स्टार्टअप युवाओं के लिए आत्मनिर्भरता का वरदान साबित हुआ है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्टार्टअप अभियान से युवाओं के अपने सपने साकार करने एवं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने में अपार सहयोग मिला है। यह उदगार उन्होंने गुरुवार को कुलपति कार्यालय में विश्व स्टार्टअप दिवस पर कुवि के यूनिवर्सिटी स्कूल आफ मैनेजमेंट द्वारा 21-22 फरवरी 2025 को आयोजित होने वाले स्टार्टअप सक्सेस कॉलोक्वियम कार्यक्रम की विवरणिका के विमोचन अवसर पर व्यक्त किए। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि स्टार्टअप द्वारा युवा नवाचार एवं उद्यमिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा कर देश की आर्थिक समृद्धता में अपना अहम योगदान दे रहे हैं। वहीं युवा आज स्वयं का स्टार्टअप शुरू कर दूसरों को रोजगार उपलब्ध करवा रहे हैं। कुवि कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा स्टार्टअप, नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में दो इंक्यूबेशन सेंटर सहित कुटिक, रोजगार सृजन केन्द्र, सेंटर फार ट्रेनिंग, इंटर्नशिप तथा एम्पलायमेंट की स्थापना की गई है। इस मौके पर प्रो. निर्मला चौधरी, प्रो. अनिल मित्तल, प्रो. सिद्धार्थ भारद्वाज, डॉ. राजन शर्मा, डॉ. अजय सोलखे, डॉ. जयकिशन चंदेल, डॉ. अनिल खटकड़, डॉ. सलोनी दीवान, डॉ. विवेक, डॉ. उत्कर्ष मंगल व डॉ. भंवर मौजूद रहे।

फारूक अब्दुल्ला के काफिले की कार गाय से टकराई, कोई हताहत नहीं

दिल्ली। राजस्थान के दौसा जिले के सदर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को जयपुर-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दिल्ली से अजमेर जा रहे जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के काफिले में शामिल एक कार गाय से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस उपाधीक्षक रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि दिल्ली से अजमेर जा रहे अब्दुल्ला के काफिले में शामिल एक कार भांडारेज के पास गाय से टकरा गई जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। उन्होंने बताया कि कार में सवार कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि अब्दुल्ला का वाहन आगे चल रहा था और वे अपनी आगे की यात्रा के तहत अजमेर के लिये रवाना हो गये। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

हमारा उद्देश्य आत्मनिर्भरता के माध्यम से सैनिकों को नवीनतम हथियारों और प्लेटफार्मों से सुसज्जित करते हुए सेना का आधुनिकीकरण करना : राजनाथ सिंह

सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण और आत्मनिर्भरता पर जोर,साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र भविष्य के युद्ध के नए क्षेत्र बन रहे

नई दिल्ली, जनवरी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 77वें सेना दिवस समारोह में सशस्त्र बलों को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने के सरकार के प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने गौरव गाथा कार्यक्रम में भारत की बदलती भू-राजनीतिक स्थिति और तकनीकी प्रगति को देखते हुए सशस्त्र बलों को मजबूत और आधुनिक युद्ध मशीन में परिवर्तित करने की प्रतिबद्धता जताई। रक्षा मंत्री ने कहा कि भविष्य के युद्धों में साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने इस दिशा में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर बल दिया। श्री सिंह ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को रेखांकित करते हुए बताया कि भारत अब सैन्य उपकरणों का निर्माण और निर्यात कर रहा है। पिछले वित्त वर्ष में घरेलू रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचा, जबकि रक्षा निर्यात 21,000 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने बताया कि 5,500 से अधिक वस्तुओं की स्वदेशीकरण सूची जारी की गई है और रक्षा मंत्रालय इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है। वर्ष 2025 को रक्षा मंत्रालय ने सुधारों का वर्ष घोषित किया है, जिसमें सेना के आधुनिकीकरण और क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्यक्रम में भारत रणभूमि दर्शन एप्प लॉन्च किया गया, जो ऐतिहासिक युद्ध क्षेत्रों की जानकारी प्रदान करेगा। इसके साथ ही, सेना पैरालंपिक नोड की आधारशिला रखी गई, जो दिव्यांग सैनिकों को अंतरराष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा। सिंह ने भारतीय सेना की वीरता और योगदान की सराहना की। उन्होंने बड़गाम, असल उत्तर, लोंगेवाला और टोलोलिंग जैसी ऐतिहासिक लड़ाइयों का उल्लेख किया और मेजर सोमनाथ शर्मा और सीक्यूएमएच अब्दुल हमीद जैसे वीर योद्धाओं को याद किया। कार्यक्रम में शौर्य गाथा, समर्थ भारत सक्षम सेना, और प्राचीन रणनीति जैसे खंडों के माध्यम से भारतीय सेना की समृद्ध विरासत और आधुनिक प्रगति को प्रदर्शित किया गया।

राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री ने आठ वीर नारियों और बहादुर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित किया और उनकी बहादुरी को नमन किया। सिंह ने कहा कि भारतीय सेना न केवल देश की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और मानवीय संकटों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सेना की ताकत को भारत की शांति और स्थिरता का प्रतीक बताते हुए इसे विकसित भारत के विजन का अभिन्न हिस्सा बताया।

पलट जाएगा दिल्ली का पूरा खेल!

बुजुर्गों की पेंशन पर बीजेपी ने कर दिया सबसे बड़ा ऐलान

दिल्ली में 5 फरवरी को चुनाव है। इस दिन दिल्ली की सभी 70 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। दिल्ली के लिए बीजेपी की तरफ से अपना संकल्प पात्र का पहला भाग जारी किया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बीजेपी का संकल्प पत्र जारी करते हुए बुजुर्गों की पेंशन से जुड़ा बड़ा ऐलान किया है। जेपी नड्डा ने कहा कि हमारी सरकार 60-70 वर्ष के बुजुर्गों के लिए पेंशन की रकम को 2 हजार से बढ़ाकर 2500 प्रतिमाह कर देगी। इसी तरह से 70 साल के सीनियर सीटीजन्स व विधाव बहनों के साथ ही स्पेशल एबल्ड को 3 हजार प्रतिमाह दिए जाएंगे। आपदा पार्टी ने सारी स्कीम को रोक दिया। पेंशन देना बंद कर दिया। 80 हजार बुजुर्ग इस दुनिया से चले गए। उनकी जगह को भी इन्होंने नहीं भरा है। यानी कि कैसे ये गरीब आदमियों को तकलीफ देते हैं। इसका ये जीता जागता नमूना है। सीनियर सीटिजन को पेंशन देने वाले स्लॉट में 80 हजार बेचारे इस दुनिया से चले गए। आपको नए नाम डालने चाहिए थे। आपने नहीं डाला। ये आपदा का काम है जिसे हमें ध्यान में रखना चाहिए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पिछले 4 वर्षों से हमने 80 करोड़ जनता को प्रतिमाह 5 किलो गेहूं/चावल और एक किलो दाल देने का काम किया है। हमारी हरियाणा की सरकार और राजस्थान की सरकार ने 5 रुपये में गरीब लोगों के लिए भरपेट भोजन की व्यवस्था की है। हमने तय किया है कि हम यहां दिल्ली में अटल कैंटीन के माध्यम से सभी झुग्गी-झोपड़ी कलस्टर में 5 रुपये में भरपेट भोजन मुहैया कराने की व्यवस्था करेंगे। इसके लिए हम अटल कैंटीन योजना लॉन्च करेंगे। हमने तय किया है।

समाचार

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के जिला अध्यक्ष हसीन अहमद गफारी के नेतृत्व में भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के कार्यकताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम संबोधित करते हुए उप जिला अधिकारी विभा श्रीवास्तव को दिया, जिसमें बिजली विभाग द्वारा बिल संशोधन के नाम पर विद्युत उपभोक्ताओं का उत्पीड़न बंद किया जाए तथा सरकार द्वारा गन्ने के रेट 500 रुपए प्रति कुंतल शीघ्र अति शीघ्र घोषित किया जाए, वही उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली की दरो में जो बढ़ोतरी की जा रही है उन्हें रोका जाए साथ ही स्वामीनाथन रिपोर्ट जल्द से जल्द लागू की जाए, भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति ने पांचवीं मांग में मुख्यमंत्री से मांग करते हुए कहा है कि सिंचाई विभाग द्वारा जो नेहरो का निर्माण किया गया है और उनके द्वारा जो पुलिया बनाई गई है उन पर सिलेप डलवा कर लोगों की जान के खतरे को काम किया जाए, ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष हसीन अहमद गफारी, राजपाल सिंह चौहान, ब्रह्मपाल सिंह, सलमान मलिक, महेंद्र सिंह, कैलाश चंद आदि मौजूद रहे।

सेवा योजना शिविर के दूसरे दिन योग, व्यायाम एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार को चिरंजीलाल कॉलेज आफ एजूकेशन डगरोली मे राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन ग्राम डगरोली मे सम्पन्न हुआ। प्रातःकाल शारीरिक प्रमुख के नेतृत्व मे योगासन एवं व्यायाम का अभ्यास कराया गया। नेहा जिन्दल ने योगिक क्रियाओ की तकनीक और महत्व प्रतिपादित किया। नेति ध्योति के माध्यम से आंतरिक अवयवो को निर्मल करने की विधि पर चर्चा की।मनोज सर के नेतृत्व मे डगरोली के मजरा डाकेवाली डगरोली मे स्वच्छता अभियान चलाया गया। जहा स्वयंसेवको को टोलियो मे विभाजित कर घरो मे महिलाओ बच्चो और परिजनो के पास भेजा । जिन्होने शिविर के उद्धेश्यो पर ज्ञान शेयर किया।इसमे तिलकराम शशि कविता गीता खुशी राधा ने टोलियो का नेतृत्व किया। विशेषकर स्वास्थ्य स्वच्छता शिक्षा कौशल विकास के वारे मे आधुनिकतम ज्ञान साझा किया। दोपहर बाद बौद्धिक वर्ग मे भूदेव सिह ने जन धन सहित अन्य योजनाओ पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। विशेषकर बचत योजनाओ के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत मे कार्यक्रम प्रमुख राजकुमार ने सभी का आभार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रेमदेव, बब्लू सिंह, पिकी, छत्रवती, संध्या, अंजू, कावेन्द्र सिह, सोकेश कुमार, अतुल शर्मा, श्वेता शर्मा, अतरकली, योगेश आदि उपस्थित रहे।

पूरी दुनिया में महाकुम्भ की सूचनाएं प्रसारित करने का सबसे प्रमुख केंद्र बना डिजिटल मीडिया सेंटर

महाकुम्भनगर, 17 जनवरी : महाकुम्भ के अद्भुत आयोजन का जीवंत दृश्य पूरी दुनिया को दिखाने के लिए आधुनिकतम मीडिया सेंटर महाकुम्भ में कार्यरत है। इसमें करोड़ों रुपए की लागत से उच्च गुणवत्ता वाले हाईली प्रोफेशनल कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के जरिए महाकुम्भ के हर छोटे-बड़े पल को न केवल लाइव दिखाया जा रहा है, बल्कि हर दृश्य को ऐसी तकनीक से रिकॉर्ड किया जा रहा है कि दर्शक रियल टाइम अनुभव कर पा रहे हैं। इस तकनीकी व्यवस्था के जरिए, महाकुम्भ का जीवंत अनुभव सीधे दुनिया भर के श्रद्धालुओं तक एक साथ पहुंच रहा है। इसके लिए पचास लाख तक के लेंस वाले कैमरे के जरिए महाकुम्भ से संबंधित समाचार डिजिटल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे हैं। अब तक इंटरनेशनल मीडिया के 30 पत्रकारों ने भी महाकुम्भ की विशेष कवरेज की है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने देश विदेश के श्रद्धालुओं के लिए मीडिया सेंटर पर हर जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं, ताकि हर व्यक्ति को पल पल अपडेट मिलती रहे। यहां अमेरिका, रूस, जर्मनी, जापान और इजरायल में महाकुम्भ से जुड़े समाचारों की बड़ी डिमांड है। इसके अलावा स्वीडिश रेडियो पर चले महाकुम्भ के कार्यक्रम को लोगों ने बहुत पसंद किया है। यहां कॉन्फ्रेंस रूम के साथ चाय, नाश्ते और भोजन सब उपलब्ध हैं। इसके अलावा यहां सुरक्षा के सभी पुख्ता इंतजाम भी किए गए हैं।

साइबर अपराध से निपटने के लिए यूपी पुलिस ने लॉन्च की वेबसाइट

लखनऊ। साइबर अपराध पर और प्रभावी नियंत्रण के लिए उप्र पुलिस ने अपनी साइबर वेबसाइट (cyberpolice.uppolice.gov.in) लांच की है। साइबर अपराध का शिकार होने की दशा में कोई भी व्यक्ति मदद के लिए सभी जानकारियां आसानी से एक ही स्थान पर प्राप्त कर सकेगा। प्रदेश के सभी साइबर थानों व उनमें तैनात अधिकारियों के नंबर व हर जिले के नोडल अधिकारी के नंबर भी वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट के माध्यम से पुलिस लोगों में साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता भी बढ़ाएगी। पीड़ित उसकी शिकायत पर हुई कार्रवाई व केस की वर्तमान स्थिति का भी पता लगा सकेंगे। पुलिस मुख्यालय में डीजीपी प्रशांत कुमार ने वेबसाइट की शुरूआत की। कहा कि साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस लगातार तकनीक के सहयोग से अपनी कार्रवाई तेज कर रही है। सभी जिलों में साइबर क्राइम थाना खोला गया है। हर थानों में साइबर हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई है। उप्र राज्य इंस्टीट्यूट आफ फारेंसिक साइंस के विशेषज्ञों की मदद से पुलिसकर्मियों का लगातार प्रशिक्षण भी कराया जा रहा है। डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराध के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं, इस स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित पुलिसकर्मियों की अधिक से अधिक आवश्यकता है।

मण्डलायुक्त ने कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, बस्ती मण्डल, बस्ती का किया निरीक्षण

तौफीक खान संवाददाता
बस्ती

बस्ती। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने कार्यालय अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन, बस्ती मण्डल, बस्ती का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने भवन अनुरक्षण कार्य के सम्बन्ध में अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन आत्म प्रकाश बाजपेयी से जानकारी लिया, जिस पर अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन द्वारा विस्तार से अनुरक्षण में अब तक हुए कुल कार्यों के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। उन्होने देखा कि कार्यालय भवन के हो रहे अनुरक्षण कार्य, कार्यालय में साफ-सफाई तथा पत्रावलियों के रख-रखाव बेहतर ढंग से किया गया है, इस पर मण्डलायुक्त ने प्रसन्नता व्यक्त किया। उन्होने कार्यालय भवन की चाहरदीवारी को भी रंग/व्हाईट वाश कराने हेतु कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया। इसके पूर्व मण्डलायुक्त का स्वागत अपर निदेशक, कोषागार एवं पेंशन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक लेखा अधिकारी भोलानाथ मौर्या, क्षेत्रीय लेखाधिकारी आशीष भाष्कर, खाद्य एवं रसद कार्यदायी संस्था निर्माण खण्ड, लो०नि०वि० के अवर अभियंता मनीष चतुर्वेदी, लेखाकार उमेश चन्द्र सिंह, वरिष्ठ सहायक आकाश सिंह, कनिष्ठ सहायक नवनीत तिवारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर आकाश श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहें।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वर्षगांठ पर एक दिवसीय रामलीला के लिए हुआ झंडा पूजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शुक्रवार, नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर के निकट स्थित रामलीला मैदान में 22 जनवरी को होने वाली एकदिवसीय रामलीला को सकुशल संपन्न कराने के लिए भगवान हनुमान जी का झंडा पूजन किया गया एवं चोला चढ़ाया गया, बताते चलें कि 22 जनवरी को शुभ मुहूर्त में अयोध्या में पिछले वर्ष भगवान श्री राम लला जी की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर का शुभारंभ हुआ था इस बार यह शुभ मुहूर्त जहां 11 जनवरी को था लेकिन तारीख के हिसाब से 22 जनवरी को एक वर्ष पूर्ण होने पर श्री शिव महामंडल रामलीला समिति द्वारा एक दिवसीय रामलीला का आयोजन किया जा रहा है, जिसके लिए झंडा पूजन आदि कार्यक्रम संपन्न हुआ इस संबंध में श्री शिव महामंडल रामलीला समिति के अध्यक्ष पुनीत अग्रवाल ने बताया कि एक दिवसीय रामलीला में वृंदावन से आए कलाकारों द्वारा भव्य रामलीला का आयोजन किया जा रहा है उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को सर्वप्रथम हवन प्रातः 9 बजे से होगा तथा प्रातः11 बजे से भव्य रामलीला का मंचन मंच पर प्रारंभ हो जाएगा तथा 22 तारीख की रात को रामलीला में भगवान श्री राम की राजगद्दी, राजतिलक के उपरांत रामलीला का समापन हो जाएगा, वहीं इस बीच हवन के बाद प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा, इस मौके पर मुख्य रूप से समिति के अध्यक्ष पुनीता अग्रवाल, प्रबंधक राकेश अग्रवाल, योगेंद्र शर्मा, संजय गर्ग, गिरधारी लाल सैनी, लोकेश अग्रवाल, वेद प्रकाश यादव, राजीव अग्रवाल, राजपाल सैनी, आदेश अग्रवाल, जयपाल सैनी, बृजपाल ठाकुर, धर्मेंद्र रस्तोगी, अंकुर प्रजापति, पंडित दिनेश शर्मा, महेश शर्मा, सतवीर गिरी, संजीव शर्मा, पप्पू गिरी, दामोदर शर्मा, उमेश शर्मा आदि सहित दर्जनों सनातन धर्म के लोग मौजूद रहे।

रवि किशन ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी, सीएम योगी के प्रयासों को सराहा

महाकुम्भ नगर, 17 जनवरी। गोरखपुर के सांसद और बॉलीवुड के सुपरस्टार रवि किशन ने शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर पुण्य कमाया। इस अवसर पर रवि किशन ने कहा की बड़े सौभाग्य से 144 वर्षों के बाद यह महाकुम्भ आया है। इस महाकुम्भ को भव्य और दिव्य बनाने के लिए महाराज योगी जी ने बहुत विकास कार्य कराए हैं। यह दिव्य महाकुम्भ है और इस दिव्य महाकुम्भ में स्नान का अवसर आज मुझे मिला है। जो इस पुण्य अवसर पर महाकुम्भ नहीं आया, जिसने यहां संगम त्रिवेणी में आस्था की डुबकी नहीं लगाई, मानो उसका जीवन व्यर्थ है। उन्होंने सभी देशवासियों से प्रयागराज में आकर संगम स्नान करने की अपील की। प्रयागराज का विकास सबको नजर आ रहा रवि किशन ने कहा की महाकुम्भ को लेकर योगी सरकार ने व्यापक तैयारियां की हैं। यहां आने वाले हर श्रद्धालु को प्रयागराज का विकास स्वतः देखने को मिल रहा है। डबल इंजन की सरकार ने मिलकर इस बार पूरे प्रयागराज का काया पलट कर दिया है। यह पुण्य अवसर 144 सालों के बाद आया है। इस सुअवसर पर हर देशवासी, हर सनातन धर्मावलंबी को यहां आकर संगम त्रिवेणी में स्नान करना चाहिए। यहां स्नान करने वाले को पुण्य की प्राप्ति होगी। जो 2027 में हारने वाले हैं, वही महाकुम्भ का अपमान कर रहे महाकुम्भ में 6 दिन के अंदर 7 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की संख्या पर विपक्षी दलों द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर रवि किशन ने कहा कि जो लोग 2027 में हारने जा रहे हैं, वही इस महा आयोजन पर उंगली उठा रहे हैं। यह महाकुम्भ आ रहे श्रद्धालुओं का अपमान है, सनातन धर्म का अपमान है। प्रत्यक्ष को प्रमाण की क्या आवश्यकता है। यहां जो भी आ रहा है वह अपनी आंखों से भीड़ को देख रहा है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के महाकुम्भ आने की खबरों पर उन्होंने कहा कि सबको यहां आकर डुबकी लगानी चाहिए।

सनातन के ध्वज वाहक अखाड़ों में नारी सशक्तीकरण का साक्षी बन रहा है प्रयागराज महाकुम्भ

महाकुम्भ नगर, 17 जनवरी। सनातन की शक्ति है महाकुम्भ का श्रृंगार कहे जाने वाले 13 अखाड़े। महाकुम्भ के मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के पहले अखाड़ों में फिर सनातन की ध्वजा फहराने की तैयारी हो रही है। बड़ी संख्या में अखाड़ों में नव प्रवेशी साधुओं को दीक्षा देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसमें भी नारी शक्ति की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है।

नारी सशक्तीकरण का साक्षी बन रहा है महाकुम्भ

प्रयागराज महाकुम्भ नारी सशक्तीकरण को लेकर भी नया इतिहास लिखने जा रहा है। महाकुम्भ में मातृ शक्ति ने अखाड़ों से जुड़ने में गहरी रुचि दिखाई है। इसके परिणाम स्वरूप प्रयागराज महाकुम्भ सबसे अधिक महिला संन्यासियों की दीक्षा का इतिहास लिखने जा रहा है। संयासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि इस बार महाकुम्भ में अकेले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्गत 200 से अधिक महिलाओं की संन्यास दीक्षा होगी। सभी अखाड़ों को अगर शामिल कर लिया जाय तो यह संख्या 1000 का आंकड़ा पार कर जाएगी। संन्यासी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े में इसे लेकर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है। आगामी 27 जनवरी को संन्यास दीक्षा का अनुष्ठान संभावित है।

महाकुम्भ से खिले प्रयागराज में व्यापारियों के चेहरे

महाकुम्भनगर, 17 जनवरी। प्रयागराज में महाकुम्भ का दिव्य, भव्य आयोजन शुरू हो चुका है। देश और दुनिया के कोने-कोने से श्रद्धालु और पर्यटक प्रयागराज आ रहे हैं।पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति के अमृत स्नान के साथ अब तक 7 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई है। करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने जहां एक ओर प्रयागराज का मान बढ़ाया है तो वहीं इससे शहर के व्यापार और अर्थव्यवस्था में भी भारी बढ़ोतरी हुई है। होटल पर्यटन इंडस्ट्री हो या खान-पान के सामान, ऊनी कपड़े, कम्बल, रजाई, गद्दों के साथ इलेक्ट्रॉनिक समानों की बिक्री में भी 30 से 40 फीसदी की वृद्धि हुई है।

होटल इंडस्ट्री को 30 से 40 फीसदी हो रहा मुनाफा

महाकुम्भ -2025 के आयोजन को लेकर प्रयागराज के व्यापारी पूरी तरह उत्साह में हैं। हर सेक्टर में बिजनेस ग्रोथ देखने को मिल रही है। महाकुम्भ को प्रारंभ हुए चार दिन ही हुए हैं और शहर के खुदरा और थोक व्यापार में दो गुने से तीन गुना की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। महाकुम्भ को लेकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के प्रयासों से व्यापारी वर्ग प्रसन्न है। होटल इंडस्ट्री हो या खुदरा व्यापार या फिर वस्त्र उद्योग, सभी में पिछले एक सप्ताह में दोगुनी से अधिक का इजाफा देखने को मिला है। होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ प्रयागराज के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह का कहना है कि बाहर से आ रहे श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए होटल इंडस्ट्री ने अच्छे प्रबंध किए हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक होटल में बुकिंग करा रहे हैं। प्रयागराज में होटल इंडस्ट्री को 30-40% तक का मुनाफा हुआ है। आने वाले दिनों में 50% तक मुनाफे की उम्मीद होटल इंडस्ट्री को है। हरजिंदर सिंह का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिस तरह दिव्य और भव्य महाकुम्भ का आयोजन किया है, ऐसा महाकुम्भ प्रयागराज में पहले कभी भी नहीं हुआ।

खुदरा और थोक व्यापार में दो से तीन गुना वृद्धि

जिला व्यापार संघ के महामंत्री शिव शंकर सिंह की राय भी कुछ-कुछ हरजिंदर सिंह जैसी ही है। उनका कहना है कि एफएमसीजी प्रोडक्ट्स, ऑटोमोबाइल, सीसीटीवी कैमरा, केबल और खाने-पीने के सामान की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई है। प्रयागराज के खुदरा व्यापार में भी लगभग 20-25% की वृद्धि मकर संक्रांति स्नान तक देखने को मिली। व्यापारियों को मौनी अमावस्या पर और अधिक बिक्री की उम्मीद है।

बिजनेस में और वृद्धि की संभावना

व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष कादिर का कहना है कि फूड आइटम, अनाज, पूजा सामग्री, कपड़े, कंबल, गद्दे से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेंट के कपड़े आदि में व्यापार में दोगुना की बढ़ोतरी अब तक देखी गई है। जैसे-जैसे महाकुम्भ आगे बढ़ेगा, वैसे-वैसे वृद्धि में और अधिक इजाफा होने की उम्मीद है। व्यापारी वर्ग योगी सरकार के प्रयासों की प्रशंसा कर रहे हैं। उनका कहना है कि बहुत ही सुव्यवस्थित तरीके से महाकुम्भ का आयोजन चल रहा है। ट्रैफिक को लेकर व्यापारियों और शहरवासियों को थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उनका कहना है कि ये श्रद्धालु और पर्यटक ही उनके व्यापार की रीढ़ हैं।

महाकुम्भ में क्राउड मैनेजमेंट के लिए वरदान साबित हो रहा आईसीसीसी

महाकुम्भ नगर, 17 जनवरी। महाकुम्भ में मात्र 6 दिनों के अंदर 7 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु, कल्पवासी और पूज्य साधु संतों ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगा ली है। योगी सरकार का अनुमान है कि इस बार महाकुम्भ में 45 करोड़ से भी ज्यादा लोग आएंगे। इतनी बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा महाकुम्भ पुलिस के लिए बड़ी चुनौती है। हालांकि, मेला क्षेत्र में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) क्राउड मैनेजमेंट में वरदान साबित हो रहा है। इसके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में आ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को कंट्रोल करने में मदद मिल रही है बल्कि कई तरह के सर्विलांस में भी यह मददगार बन रहा है। महाकुम्भ के पहले दिन पौष पूर्णिमा स्नान पर्व और मकर संक्रांति के अमृत स्नान पर भारी भीड़ को सुनियोजित तरीके से नियंत्रित करने में आईसीसीसी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

क्राउड मैनेजमेंट में मिल रही मदद

आईसीसीसी के प्रभारी एसपी अमित कुमार ने बताया कि यहां पर 2750 कैमरे इंस्टॉल किए गए हैं, जिनके माध्यम से न सिर्फ मेला क्षेत्र में बल्कि पूरे शहर क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है। 3 एंगल से निगरानी की जा रही है, पहली सिक्योरिटी, दूसरी क्राउड मैनेजमेंट और तीसरी क्राइम। उन्होंने बताया कि हमारे पास जो कैमरे हैं उनसे हम सर्विलांस, क्राउड मैनेजमेंट और फायर सर्विलांस जैसे तमाम आस्पेक्ट्स पर नजर रख पा रहे हैं। क्राउड मैनेजमेंट के लिए हम लोग क्राउड फ्लो को मॉनिटर कर रहे हैं कि किस तरफ से कितना क्राउड आ रहा है और इसको किस प्रकार से रेगुलेट करना है। क्राउड फ्लो के माध्यम से यह जानने की कोशिश करते हैं की भीड़ का दबाव कहां ज्यादा है और हम उसको वहां से किस ओर मूव कर सकते हैं। यह काफी कारगर तकनीक है। हमें यहां से रेगुलर निगरानी करनी पड़ती है कि कहीं किसी एक स्थान पर भीड़ का घनत्व तो ज्यादा नहीं हो गया है।

महाकुम्भ की यह धरा सज्जन, संत और ऋषियों की धरा

17 जनवरी, महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ प्रयागराज में दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार द्वारा भारत की गौरव गाथा बनाम आत्महीनता की भावना विषयक व्याख्यान का शुक्रवार को आयोजन हुआ। इस अवसर पर सभी ने एक सुर से महाकुम्भ के दिव्य आयोजन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों की जमकर सराहना की।

गौरव गाथा पर रखें विश्वास

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री असीम अरुण ने अपने संबोधन में कहा कि हम अपनी गौरव गाथा पर विश्वास रखें और आत्म विश्वास के साथ आगे बढ़ें। हमारी आत्महीनता की भावना हमें पीछे की ओर धकेलती है। एक लंबा कालखंड रहा जब भारत का आध्यात्म और यहां की अर्थव्यवस्था दुनिया को रास्ता दिखाते थे। सबसे बड़ा कारण यह था कि हम अपने आत्म विश्वास के साथ काम करते थे। तकनीकी के मामले में हम सारी दुनिया से सदियों सदियों से आगे थे। भारत का बना हुआ माल कपड़ा, मसाले, चीनी, हीरे जवाहरात और भी बहुत सी चीजें पूरी दुनिया में बिका करते थे। यूरोप में हमारे व्यापारी और मध्य एशिया के व्यापारी कारवां बनाकर आते थे और ट्रेड सरप्लस हमारे पक्ष में था। हमको सोने की चिड़िया सदियों सदियों कहा गया। हम कैसे पीछे छूट गए, इस पर भी बहुत सारे अध्ययन हुए हैं। जब मुस्लिम आक्रांताओं ने हम पर हमला करना शुरू किया, हमको दासता की ओर ले जाना शुरू किया, तो एक मनो वैज्ञानिक दवाब हमारे ऊपर आया और गुलामी की स्थिति बनी। वह चाहे सत्ता की हो, या किसी अन्य प्रकार की हो, वह व्यक्ति को नवाचार से रोकती है।

महाकुम्भ में दुनिया देख रही नए यूपी की बढ़ती कौशल क्षमता

महाकुम्भ नगर, 17 जनवरी। त्रिवेणी के पावन तट पर महाकुम्भ 2025 का आयोजन भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं का एक अद्वितीय संगम है। इस महापर्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा मेला क्षेत्र के सेक्टर-1, गंगा पंडाल के दाहिने पवेलियन में एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई है। इसका उद्देश्य प्रदेश की प्रतिभा और कौशल क्षमता को वैश्विक मंच प्रदान करना और उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख सोर्सिंग हब के रूप में स्थापित करना है।

कौशल विकास मिशन का पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के मार्गदर्शन में कौशल विकास मिशन के पवेलियन में प्रदेश के युवाओं द्वारा अर्जित व्यावसायिक कौशल का लाइव प्रदर्शन हो रहा है। इस प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा कई क्षेत्रों में अद्वितीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। इन कार्यक्रमों में जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग एंड असेंबली टेक्नीशियन, मास्टर हैंड एम्ब्रॉइडर, एनिमेटर वी-3, ट्रेडिशनल हैंड एम्ब्रॉइडर, सर्विस टेक्नीशियन झ होम एप्लायंसेज, सोलर पैनल इंस्टालेशन टेक्नीशियन, कारपेट वीवर, मोबाइल फोन हार्डवेयर रिपेयर टेक्नीशियन और गेस्ट सर्विस एसोसिएट जैसे विशेष कौशल शामिल हैं। ये सभी कौशल प्रदर्शनी के माध्यम से आगंतुकों को लाइव प्रदर्शन के रूप में दिखाए जा रहे हैं, ताकि वे प्रदेश की प्रतिभा और कौशल क्षमता को करीब से जान सकें।

लाइव कौशल प्रदर्शन और आगंतुकों का उत्साह

इस पवेलियन का मुख्य आकर्षण लाइव कौशल प्रदर्शन और सेल्फी प्वाइंट हैं। देश-विदेश से आए आगंतुक इस प्रदर्शनी में विशेष रुचि ले रहे हैं और उत्तर प्रदेश की प्रतिभा की प्रशंसा कर रहे हैं। आगंतुक लाइव प्रदर्शन देखकर प्रभावित हो रहे हैं और पवेलियन के सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाकर इस अनुभव को यादगार बना रहे हैं।

हरैया बभनान मार्ग सड़क दुर्घटना में दरोगा की मौत, सिपाही घायल

तौफीक खान संवाददाता बस्ती
बस्ती। जनपद के हरैया बभनान मार्ग पर राजकुमार विक्रम सिंह विद्यालय के निकट अनियंत्रित डंफर और कार की टक्कर में एक दरोगा की मौके पर मृत्यु हो गई जबकि सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया है दोनों पुलिस कर्मी बस्ती जनपद के पेकोलिया थाने पर तैनात थे। घटना स्थल पर जोरदार टक्कर की आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंचे ग्रामीणों ने एम्बुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल सिपाही को स्थानीय चिकित्सालय हरैया भेजा। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दरोगा की पहचान हरि नारायण मिश्रा और घायल हेड कॉन्स्टेबल राजकुमार दुबे के रूप में की गई है वर्तमान में पैकोलिया थाना में तैनात थे।हरैया पुलिस डंफर को कब्जे में ले लिया है।

यमुनानगर

सार संक्षेप

जठलाना की पुलिस टीम ने 6 साल से भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार किया

पकड़ा गया आरोपी पुलिस टीम के साथ।

यमुनानगर : पुलिस अधीक्षक राजीव देसवाल के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए जिला के थाना जठलाना की पुलिस टीम ने 6 साल से भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिसको न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थाना प्रबंधक तरसेम ने बताया कि उन्होंने भगोड़े अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए एक टीम का गठन किया गया। उनकी टीम के एएसआई मनीष कुमार की टीम ने 6 साल से भगोड़े आरोपी हरिद्वार के गांव पिरान कलियर निवासी आशु पुत्र भूरा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को मुकदमा न. 72/16 /सशस्त्र अधिनियम थाना जठलाना में दिनांक 02 मार्च 2019 को अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित कर दिया था। भगोड़े आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

तीन युवकों ने नदी के पास युवक को पीटकर किया घायल, केस दर्ज

यमुनानगर : साढौरा नदी के पास तीन युवकों ने मिलकर साढौरा की प्रेम नगर कॉलोनी निवासी रवि कुमार को पीटकर घायल कर दिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार प्रेम नगर निवासी रवि कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 12 जनवरी को शाम साढ़े चार बजे किसी काम से गया था। जब वह साढौरा नदी के पास किसी का इंतजार कर रहा था तो वहां पर सलीम, खैरूल व शकील आए। आरोपियों ने किसी बात को लेकर उसके साथ बहस शुरू कर दी। इसके बाद आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। शोर सुनकर जब अन्य लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने मामले की जांच के बाद तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पति सहित ससुराल पक्ष पर दहेज प्रताड़ना का आरोप, के

यमुनानगर : महिला ने पति व ससुरालियों पर दहेज प्रताड़ना के आरोप में केस दर्ज कराया है। आरोप है कि उस पर मायके से कार लेकर आने का दबाव बनाया गया। ससुर ने उसके साथ गलत काम किया। जिस संबंध में केस दर्ज कराया। इसके बाद ही ससुरालियों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। अब पीड़िता की शिकायत पर जठलाना थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जठलाना थाना क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका निकाह वर्ष 2019 में सोनू के साथ हुआ था। निकाह के बाद से ही उसको दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। उस पर मायके से कार लेकर आने का दबाव बनाया गया। वह नशे में घर आता और दहेज को लेकर मारपीट करता। परेशान होकर ससुरालियों के विरुद्ध थाना में शिकायत दी लेकिन उस समय उन्होंने माफी मांग ली थी और समझौता कर लिया था। अब दोबारा फिर से दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। अगस्त 2023 में वह घर पर थी। तभी ससुर ने दुष्कर्म किया। जिस संबंध में आरोपित के विरुद्ध केस भी दर्ज हुआ। जिसमें वह जमानत पर है। इस केस के बाद से ही पति ने चरित्रहीन कहते हुए मारपीट की और से निकाल दिया था।

शादी की तैयारी के बीच युवती लापता

यमुनानगर : जिस युवती की शादी की तैयारियों में परिवार के लोग जुटे हुए थे। वह लापता हो गई। मंगलवार को वह युवती अपनी भाभी व उसके भतीजे के साथ यमुनानगर मीना मार्किट में खरीददारी करने के लिए आए थे। बाइक पर भाभी व भतीजा आगे चले गए। जबकि युवती ने आटो से आने की बात कही। इसके बाद वह नहीं मिली। काफी तलाश के बाद भी जब कोई पता नहीं लगा तो शहर यमुनानगर थाना पुलिस को शिकायत देकर केस दर्ज कराया गया। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने बताया कि उसकी 22 वर्षीय ननद की 25 फरवरी को शादी होनी है। उसकी शादी की खरीदारी करने के लिए वह भतीजे व ननद के साथ मीना मार्किट आए थे। जब यहां से खरीददारी कर चलने लगे। ननद ने कहा कि बाइक पर भी भीड़ हो रही है। वर्कशाप तक वह आटो में आएगी। जब भतीजा उसे वर्कशाप पर लेने के लिए पहुंचा तो वह नहीं मिला। उसका मोबाइल नंबर भी बंद आता रहा। आसपास पता करने पर भी कोई जानकारी नहीं मिली।

एसोसिएशन ने चलाया सदस्यता अभियान

एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण करते हुए।

यमुनानगर : ऑल इंडिया पंजाब नैशनल बैंक पेंशनर्स एंड रिटायरीज एसोसिएशन यूनिट यमुनानगर की एक्जीक्यूटिव बॉडी में निर्णय लिया गया था कि एसोसिएशन के साथ नए सदस्यों को जोड़ने का अभियान 4 जनवरी से 15 जनवरी तक चलाया जाएगा। इस कार्य को पूरा करने के लिए 6 सदस्यों की टीम का गठन किया गया था, जिसमें लक्ष्य 31 सदस्यों को साथ जोड़ने का तय किया गया था। प्रेसिडेंट चमन लाल ने कहा कि टीम ने 33 सदस्य को एसोसिएशन के साथ जोड़ा। आज टैगोर नगर निवासी विपिन कुमार को एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण करवाई। एसोसिएशन के केंद्रीय संगठन सचिव आर के वोहरा ने बताया कि 8 मार्च को अशोक गुलाटी, चंद्र मनी भाटिया और एम पी कालरा को नए सदस्यों को एसोसिएशन के साथ जोड़ने के उपलक्ष में स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया जाएगा।

कांजनू से अलाहर मार्ग जगह-जगह से टूट

यमुनानगर : कांजनू से अलाहर मार्ग जगह-जगह से टूटकर बिखरा पड़ा है। जिससे आसपास के गांव के हजारों लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बार-बार मांग करने पर भी मार्केटिंग बोर्ड की ओर से टूटे पड़े सड़क मार्ग की मुरम्मत तक नहीं करवाई जा रही है। जिससे क्षेत्र के लोगों में विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। क्षेत्र निवासी राजेश कुमार, रामकुमार, सुखदेव सिंह, प्रवेश कुमार, कमल कुमार, सुखबीर सिंह आदि ने बताया कि कांजनू से अलाहर तक का सडक मार्ग कुछ वर्षो पहले मार्केटिंग बोर्ड द्वारा बनाया गया था। लेकिन अब यह सड़क मार्ग जगह जगह से टूटकर गड्ढो में बदल चुका है। जिस कारण सडक मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालको को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। बार बार मांग करने पर भी विभाग की ओर से उपरोक्त सडक मार्ग की मुरम्मत तक नहीं करवाई जा रही है। जिसका खामियाजा क्षेत्र के लोग भुगत रहे है। क्षेत्र के लोगों ने विभाग से टूटी सड़क बनवाने की मांग की है।

डीएवी पीजी कॉलेज करनाल।

भारत का संविधान दुनिया का सबसे अनोखा संविधान - डॉ रामपाल सैनी

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। डीएवी पीजी कॉलेज में भारत सरकार के निर्देशन अनुसार भारतीय संविधान के अपनाने के 75 वर्ष पुर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम "हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान" में विद्यार्थियों, एनएसएस स्वयंसेवकों एवं एनसीसी कैडेट्स को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन करते हुए प्राचार्य डॉ रामपाल सैनी ने बताया कि हमें संविधान की प्रस्तावना से पता चलता है कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे अनोखा संविधान हैं जो हमारे सिद्धान्तों तथा संवैधानिक मूल्यों, आदर्शों की स्थायी विरासत को दर्शाता है और भारत को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करता है। प्राचार्य ने कहा कि भारतीय संविधान अपने नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के अधिकार को सुनिश्चित करता है। और भारत की विविधता को एकता के सूत्र बांधने का काम करता है। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान विश्व के अधिकांश संविधानों की सर्वोत्तम विशेषताओं के अनुसार विश्व का सबसे व्यापक और लिखित संविधान है, जो समस्त नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है। प्राचार्य ने कहा कि हमें संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए और देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में हमेशा सहयोग देना चाहिए। प्राचार्य ने विद्यार्थियों एवं सभी स्टाफ सदस्यों को भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा एवं कर्त्तव्यपरायणता की शपथ दिलाई। प्राचार्य ने अपने संबोधन में संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर एवं संविधान सभा के अन्य आदरणीय सदस्यों को याद करते हुए उनके योगदान के लिए उनका आभार प्रकट किया।

एनसीसी साइकिल अभियान 'भारत के वीर: एक शौर्य गाथा' का आज कुंजपुरा में आगमन

18 जनवरी को अभियान अगले पड़ाव पानीपत के लिए रवाना होगा

करनाल सुखविंदर सोही

एनसीसी साइकिल अभियान, "भारत के वीरः एक शौर्य गाथा", आज कुंजपुरा पहुंचा, जिसे एनसीसी निदेशालय पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के एनसीसी कैडेटों द्वारा ऐतिहासिक योद्धाओं और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को समर्पित करने के लिए चलाया गया है। इसका उद्देश्य कैडेटों और नागरिकों के बीच राष्ट्रीय एकता, साहस और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देना है। 14 दिवसीय अभियान, जो 7 जनवरी, 2025 को हुसैनीवाला (पंजाब) से नई दिल्ली तक शुरू हुआ, का लक्ष्य लगभग 700 किलोमीटर की दूरी के दौरान अपने मार्ग में आने वाले महत्वपूर्ण युद्धक्षेत्रों और स्मारकों का दौरा करना है। सैनिक स्कूल, कुंजपुरा के प्रिंसिपल कर्नल विजय राणा ने आगमन पर रैली का स्वागत किया, जहाँ टीम के सदस्यों ने कुंजपुर के वीरों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। कर्नल सोमबीर डब्बास के नेतृत्व वाली इस टीम में 15 साइकिल चालक हैं, जिनमें छह लड़कियां और छह लड़के कैडेट शामिल हैं। टीम एनडीआरआई द्वारा संचालित पथ-प्रदर्शक प्रौद्योगिकियों को समझने के लिए भारत के डेयरी अनुसंधान के प्रमुख अनुसंधान संस्थान, करनाल में राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) का भी दौरा करेगी। 18 जनवरी, 2025 को, एनसीसी साइकिल अभियान पानीपत के लिए रवाना होगा, जहां वे ऐतिहासिक महत्व के विभिन्न स्थलों का दौरा करेंगे। अभियान 20 जनवरी, 2025 को गुरुग्राम में डीजी एनसीसी कैंप में पहुंचेगा, जहां टीम का अभिनंदन किया जाएगा। अभियान का समापन नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह 2025 के हिस्से के रूप में प्रधान मंत्री की रैली के साथ होगा।

निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने वार्ड 15 में चल रहे मरम्मत कार्यों का किया औचक निरीक्षण, जांची गुणवत्ता।

आई.पी.एस. मीरा घाटी का भी किया निरीक्षण, मोटरें चलवाकर की चैक।

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने शहर में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता जांचने के मकसद से सुभाष गेट क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड में चल रहे गली, नाली, पैचवर्क व पुलिया इत्यादि के मरम्मत कार्यों का देखा। बता दें कि वार्ड 15 में एक वर्ष की अवधि के लिए 25 लाख रुपये की अनुमानित लागत से मरम्मत कार्य करवाने के लिए टैण्डर लगाया गया था, जिसके बाद वार्ड की विभिन्न गलियों, नालियों व पुलिया इत्यादि के मरम्मत कार्य करवाए जा रहे थे। कार्य ठीक प्रकार से किए जा रहे हैं और इनकी गुणवत्ता कैसी है, इसे देखने के लिए निगमायुक्त ने यहां का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद निगम अभियंताओं से कार्यों की पैमाईश करवाई और उसका मेजरमेंट बुक यानि माप पुस्तिका में की गई एंट्री से मिलान किया। कार्यों की क्वालिटी भी चैक की और अपनी संतुष्टि जाहिर की। इसके पश्चात उन्होंने अमरूत-1 स्कीम के अंतर्गत नगर निगम द्वारा मीरा घाटी में बनवाए गए आई.पी.एस. यानि इंटरमिडिएट पम्पिंग स्टेशन का दौरा किया और उसमें लगी मोटरों को अपने समक्ष चलवाकर देखा। आई.पी.एस. में किस-किस क्षेत्र का बरसाती पानी आता है, ड्राईंग की सहायता से उसे भी देखा। दौरे के दौरान निगमायुक्त ने बताया कि मीरा घाटी आई.पी.एस. की क्षमता 199 एम.एल.डी. है। यह वर्ष 2024 के अगस्त माह में बनकर तैयार हुआ था। इसमें एक 14 मीटर डाया की चौड़ाई का सिंकिंग वेल भी बनाया गया है, जिसकी गहराई 12 मीटर है। आई.पी.एस. में 65 व 300 होर्स पावर (एच.पी.) की दो-दो लगी हुई हैं, जो बरसाती सीजन के दौरान पूरी क्षमता के साथ अपना कार्य करती हैं।

महाकुंभ में करनाल के संत स्वामी ऋषिपाल आनंद ने त्रिवेणी के किनारे लगाया शिविर, आने वाले श्रद्धालुओं मिलेगी ठहरने और खाने की सुविधा

करनाल बीटू संधू

प्रयागराज। में आयोजित महाकुंभ में करनाल की सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं ने प्रमुखता से भागीदारी शुरू कर दी है। ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय ट्रस्ट के संरक्षक व संयोजक करनाल के स्वामी ऋषिपाल आनंद को यूपी प्रशासन ने त्रिवेणी संगम घाट के नजदीक शिविर लगाने की अनुमति दी है। प्राचीन चक्र माधव जी मंदिर के नजदीक सेक्टर 24 में अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण ट्रस्ट की ओर से आधुनिक सुविधाओं से युक्त शिविर का निर्माण किया गया है जिसमें श्रद्धालुओं को ठहरने के साथ भोजन और भंडारे की सुविधा भी उपलब्ध होगी। उनके साथ करनाल के ही व्यवसायी ऋषि शर्मा उनके साथ सहयोग कर रहे हैं। देश के प्रसिद्ध संत आचार्य प्रभाकर मिश्र के शिष्य स्वामी ऋषिपाल आनंद इससे पहले भी कई बार हरिद्वार और प्रयागराज में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में शिविर लगाते रहे है। पिछले 30 वर्षों से समाज सेवा और राष्ट्र के प्रति समर्पित स्वामी ऋषिपाल आनंद ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन सहित अन्य अनेक सामाजिक, धार्मिक संगठनों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाज को समर्पित कर दिया है। मधुबन स्थित आश्रम से अपनी सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को संचालित करते आ रहे स्वामी ऋषिपाल आनंद नेपाल सहित कई देशों की यात्राएं कर चुके हैं और हिंदू समाज को एकजुट करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। वह अभी तक 5 बार कुंभ में जा चुके हैं। दो बार हरिद्वार और 3 बार प्रयागराज कुंभ का पुण्य लाभ उठा चुके हैं। वह 2 जनवरी से कुंभ क्षेत्र में है 14 जनवरी मकर संक्रांति को उन्होंने आचार्य महामंडलेश्वरों के साथ अमृत स्नान किया था। अब वह 26 फरवरी को वापस करनाल आएंगे। नेपाल स्थित पशुपतिनाथ म?

शहर के बीचों-बीच 122 करोड़ की लागत से बनने वाले फ्लाईओवर के निर्माण कार्य की विधायक जगमोहन आनंद ने की शुरूआत

विधायक बोले- शहरवासियों को मिलेगी जाम से निजात, 2 साल में बनकर होगा तैयार

करनाल सुखविंदर सोही

करनाल। के बीचों-बीच बनने वाले सिंगल पिलर फ्लाईओवर के निर्माण कार्य की विधायक जगमोहन आनंद ने नारियल फोड़कर शुरूआत की। इसके उपरांत उन्होंने आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि इस फ्लाईओवर से शहरवासियों को जाम से निजात मिलेगी और यह 2 साल में बनकर तैयार हो जाएगा। इस फ्लाईओवर पर 122 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

विधायक जगमोहन आनंद करनाल के सेक्टर-13 व 14 स्थित मटका चौक पहुंचे। यहां उन्होंने नारियल फोड़कर फ्लाईओवर के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस दौरान लड्डू बांटकर खुशी मनाई गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह फ्लाईओवर बनने से शहरवासियों को लाभ होगा। शहर के लोग जब भी केंद्रीय मंत्री व करनाल के सांसद मनोहर लाल से मुलाकात करते थे तो जाम की समस्या को रखते थे। उन्होंने इसे लेकर 2 वर्ष तक वर्किंग की और अंत में सिंगर पिलर फ्लाईओवर बनाने के कार्य को मंजूरी दी। यह शहर के लिए खुशी की बात है कि इसका कार्य शुरू हो गया है।

शहरवासियों को नहीं होगी परेशानी

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि इस फ्लाईओवर के बनने से शहरवासियों को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। रूट डायवर्ट कर दिए गए हैं। शहरवासियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इसके बावजूद भी यदि किसी का कोई सुझाव है तो वह आकर मिल सकता है। यदि किसी एंबुलेंस को इस रोड पर जाना होगा तो पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, जो जाने के लिए बैरिकेड्स को हटा देंगे। उन्होंने कहा कि करनालवासियों को आए दिन विकास कार्यों की सौगात मिल रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी आश्वासन दिया है कि यहां से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएग।

साफ-सफाई को लेकर निगमायुक्त का लगातार चौथा दौरा, पैदल चलकर कूड़ा एकत्रीकरण को किया चैक, नागरिकों से ली फीडबैक।

टिप्पर के साथ हैल्पर मौजूद रहने के एजेंसी प्रतिनिधि को दिए सख्त निर्देश।

करनाल सुखविंदर सोही

शहर की साफ-सफाई तथा डोर टू डोर कूड़ा एकत्रीकरण देखने के मकसद से नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने लगातार चौथे दिन शहर का दौरा किया। दौरे में उन्होंने सैक्टर-13 व 13 एक्सटेंशन का राउण्ड लेकर वहां की साफ-सफाई को चेक किया। इस दौरान सफाई के साथ-साथ दरौगा और सफाईकर्मी, दोनो के हाजिरी रजिस्टरों की जांच भी की गई। दौरे में उनके साथ अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार भी मौजूद रहे। निगमायुक्त डोर टू डोर कूड़ा एकत्रीकरण को देखने के लिए टिप्पर के साथ-साथ पैदल चली। गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग लिया जा रहा है या नहीं, इसे भी देखा। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों से बात कर साफ-सफाई व कूड़ा एकत्रीकरण की जानकारी ली। नागरिकों ने अच्छा कार्य हो रहा है, की फीडबैक निगमायुक्त को दी। लोगों का अच्छी सफाई व्यवस्था कहने पर उन्होंने अपनी संतुष्टि जाहिर की। इस दौरान उन्होंने सुगम स्वच्छता एजेंसी के प्रतिनिधि को निर्देश दिए कि अगर किसी कारणवश हैल्पर नहीं आता तो, उसके स्थान पर अन्य हैल्पर की ड्यूटि तुरंत लगाई जाए। उन्होंने कहा कि कूड़ा एकत्रीकरण में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए, नहीं तो कार्रवाई होगी। इसके पश्चात उन्होंने सेक्टर की विभिन्न बीट का दौरा कर सफाई कर्मियों की चेकिंग की। इस दौरान वार्ड के निवर्तमान पार्षद वीर विक्रम कुमार से उनकी भेंट हुई। निवर्तमान पार्षद ने निगमायुक्त को सेक्टर-13 की कालड़ा मार्किट व सेक्टर-13 ए?

स्थानीय निकाय के चुनाव को लेकर सरकार पूरी तरह से तैयार : मुख्यमंत्री

भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ के साथ किया स्वागत।

करनाल सुखविंदर सोही

हरियाणा। के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का भाजपा जिला कार्यालय कर्णकमल पहुंचने पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के योगेंद्र राणा, भाजपा के जिला कार्यकारी अध्यक्ष बृज गुप्ता, पूर्व मेयर रेनु बाला गुप्ता सहित पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इसके अलावा शहर की विभिन्न सामाजिक संस्था जिनमें गुर्जर विकास सभा, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, दी आर्ट ऑफ लिविंग, श्री खाटू श्याम मंदिर पुरानी सब्जी मंडी, श्री गुरु रविदासिया समाज सेवा संघ, सैनी समाज संस्था , जाट महासभा , पंजाबी महासभा, मानव कल्याण सेवा संस्थान, नंबरदार एसोसिएशन आदि के पदाधिकारियों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत किया और अपनी मांगें रखीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्षों से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज करनाल प्रवास के दौरान कर्ण कमल में पार्टी कार्यकताओं से मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत की और कहा कि प्रदेश में अपराधियों से सख्ती से निपटने के आदेश अधिकारियों को दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में प्रदेश में अपराधों में कमी आई है और सरकार का अपराध नियंत्रण पर पूरा ध्यान है। इसके लिये विशेषतौर पर पुलिस अधिकारियों को फ्री हैंड दिया गया है। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब मे कहा कि सरकार निगम चुनाव के लिये पूरी तरह से तैयार है।

हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भारतीय मानक ब्यूरो के नॉर्म्स पर रखी अपनी समस्याएं

हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने भारतीय मानक ब्यूरो के नॉर्म्स पर अपनी समस्याएं रहते हुए

यमुनानगर, जनवरी : हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री यमुनानगर की टीम ने भारतीय मानक ब्यूरो की डिप्टी डायरेक्टर जनरल नॉर्दर्न रीजन, श्रीमती स्नेहलता से चंडीगढ़ स्थित उनके कार्यालय में भेंट की। इस मुलाकात का मुख्य उद्देश्य प्लाईवुड उद्योग जगत को प्रभावित करने वाले आगामी क्रुढ्ढस् (भारतीय मानक ब्यूरो) नॉर्म्स पर विचार-विमर्श करना और संबंधित समस्याओं व सुझावों को उनके समक्ष रखना था।

बैठक के दौरान हरियाणा चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री यमुनानगर के प्रधान राजेश सोंधी और अन्य चैम्बर के अधिकारियों द्वारा निम्नलिखित प्रमुख बिंदु उठाए गए

प्लाइवुड सैंपल की सूचना - बाजार से प्लाइवुड के सैंपल जांच के लिए उठाए जाने पर संबंधित फैक्ट्री को तत्काल सूचित किया जाए। वर्तमान में, ऐसा नहीं किया जाता और क्रुढ्ढस् अधिकारी ग्राहक बनकर बाजार के डीलर से सैंपल लेते हैं। अगर सैंपल फेल होता है तो जिस फैक्ट्री का ष्टरूरू नंबर सैंपल पर होता है, उसे सूचना दिए बिना सीधी कार्रवाई की जाती है। अगर सैंपल टेस्ट करने से पहले प्लाईवुड उद्योग को सूचित किया जाएगा की उसका सैंपल बाजार से उठाया गया है तो यह सुनिश्चित किया जा सकेगा की वह माल उसी प्लाईवुड उद्योग का है या किसी ने उस उद्योग का फजी ष्टरूरू नंबर लगा कर माल बेचा हुआ है। फर्जी बीआईएसस्टैंपिंग पर कार्रवाई, चैम्बर ने मांग उठाई कि देशभर में कई ट्रेडर्स फजी बीआईएस स्टैंपिंग का इस्तेमाल कर माल बेच रहे हैं। ऐसे फर्जी उत्पादकों और व्यापारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि उद्योग में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। लाइसेंस रिन्यूअल में देरी, बीआईएस द्वारा लाइसेंस रिन्यूअल प्रक्रिया में काफी समय लग रहा है, जिससे उद्योग प्रभावित हो रहे हैं। लाइसेंस समय पर नवीनीकरण के लिए प्रभावी प्रक्रिया सुनिश्चित की जाए। लाइसेंस रहित फैक्ट्रियों को दायरे में लानाः चैम्बर ने मांग रखी कि जैसे इस वर्ष से बीआईएस के नॉर्म्स पूरे भारत की फैक्ट्रियों और इम्पोर्ट पर लागू हो रहे हैं, जिन उद्योगों के पास अभी बीआईएस लाइसेंस नहीं है, उनके लिए बीआईएस को ऐसी नीति बनानी चाहिए जिससे इन प्लाईवुड उद्योगों को लाइसेंस लेने के लिए एक सहयोगी और सरल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। चैम्बर ने आश्वासन दिया कि वह इस प्रक्रिया में बीआईएस का पूरा सहयोग करेगा। समन्वय की कमीः ट्रेडर्स और डीलर्स को भी अपनी जिम्मेदारी के दायरे में शामिल किया जाए, ताकि मानकों के पालन में सभी पक्ष सहयोग कर सकें। मौके पर चैम्बर के प्रदेश सचिव राज चावला, प्लाईवुड एसोसिएशन के प्रधान जेके बिहानी, पंचकूला चैम्बर के प्रधान अशोक सिंगला , सुमीत गुप्ता, अरुण मोंगिया, संत क्वात्रा, अशोक गोयल, अनिल गर्ग आदि मौजूद थे।

शिक्षा विभाग, जीविका एवं पंचायती राज विभाग के आपसी सामंजस्य से फाइलेरिया मुक्त पंचायत का स्वप्न होगा साकार- केदार प्रसाद

मध्यान्न भोजन के बाद ही स्कूलों में कराएँ फाइलेरिया की दवा का सेवन- डॉ. परमेश्वर प्रसाद

››› राज्य फाइलेरिया कार्यालय एवं पिरामल स्वास्थ्य के तत्वावधान में एमडीए अभियान की रणनीति पर हुई चर्चा

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पटना। एमडीए अभियान को जन आंदोलन की तरह संचालित करने की जरुरत है। सभी पंचायत प्रतिनिधि खुद दवा खाकर अभियान की शुरूआत करें. पंचायत प्रतिनिधि सुनिश्चित करें कि उनके पंचायत के सभी लोग दवा का सेवन करें. स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ मानसिकता के साथ समाज के उत्थान में अपना योगदान दे सकता है. सभी मुखिया अपने पंचायत की आशा से दैनिक दवा सेवन की रिपोर्ट लें एवं उनका उचित मार्गदर्शन करें, उक्त बातें केदार प्रसाद गुप्ता, पंचायती राज मंत्री, बिहार सरकार ने पटना के एक निजी होटल में आयोजित आगामी एमडीए अभियान के दौरान अन्तर्विभागीय समंवय सुनिश्चित करने के लिए आयोजित कार्यशाला में कही. कार्यशाला में पंचायती राज विभाग के जिला से जिला पंचायती राज पदाधिकारियों के साथ शिक्षा विभाग एवं जीविका के अधिकारी भी शामिल हुए।

फाइलेरिया दीर्घकालीन विकलांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारणः

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, फाइलेरिया डॉ. परमेश्वर प्रसाद ने कहा कि फाइलेरिया दीर्घकालीन विकलांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है. उन्होंने कहा कि एमडीए अभियान विश्व का सबसे बड़ा दवा सेवन कार्यक्रम है और फाइलेरिया उन्मूलन की लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को दवा खाना जरुरी है. इस अभियान में लगभग 40 विभागों का सहयोग लिया जाता है. पंचायती राज विभाग की इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका होगी. डॉ. प्रसाद ने कहा कि राज्य की 45 प्रतिशत आबादी 2 से 15 लगभग वर्ष की है और इन्हें दवा सेवन कराकर हम लक्ष्य प्राप्ति की तरफ बड़ा कदम उठा सकते हैं. उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से अपील किया कि स्कूलों में मध्यान्न भोजन के बाद ही बच्चों को फाइलेरिया की दवा खिलाएं. उन्होंने हाइड्रोसिल मरीजों की जल्द से जल्द चिन्हित कर उनका ऑपरेशन कराने में सहयोग करें।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के स्टेट एनटीडी कोऑर्डिनेटर डॉ. राजेश पांडेय ने कहा कि अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सभी जगहों पर आशा कार्यकर्ता पहुंचकर लोगों को दवा खिलाएं. उन्होंने कहा कि एक बार में लोगों से घर में भेंट नहीं होने पर उन घरों का दुबारा भ्रमण कर दवा खिलाना सुनिश्चित करें. उन्होंने कहा कि राज्य के 15 प्रतिशत प्रखंडों में माइक्रोफाइलेरिया का प्रसार रुक चुका है। पिरामल स्वास्थ्य के कोर टीम मेंबर बिकास सिन्हा ने कहा कि फाइलेरिया का प्रसार पूरे राज्य में है. उन्होंने कहा कि सभी को यह समझने की जरुरत है कि मेरी सुरक्षा, मेरे हाथ में है. उन्होंने शिक्षा विभाग, जीविका एवं पंचायती राज्य विभाग के सहयोग की रणनीति पर चर्चा की. कार्यशाला में जीविका की राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सौम्या ने भी अपने विचार रखे. मध्यान्न भोजन के सहायक निदेशक रूपेंद्र सिंह ने कहा कि उनके विभाग द्वारा एमडीए अभियान में पूरा सहयोग किया जायेगा. डॉ. कैलाश कुमार, रीजनल वरिष्ठ निदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्र सरकार ने भी अपने विचार रखे. कार्यशाला में पिरामल स्वास्थ्य के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, एनटीडी, बासब रूज के साथ पिरामल स्वास्थ्य की पूरी टीम एवं सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आग ताप रहे होमगार्ड की जलकर मौत

■ कोंच

भीषण ठंड से बचने के लिए लकड़ी से आगी जलाकर ताप रहे 54 वर्षीय एक होमगार्ड कर्मचारी की जलकर मौत हो गयी।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुदरा बुजुर्ग निवासी होमगार्ड कर्मचारी पर्वत सिंह कुशवाहा उम्र 54 वर्ष पुत्र मुठीराम बुधवार की देर शाम घर के आंगन में सर्दी से बचने के लिए अलाव ताप रहा था। इसी दौरान वह आग की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। उपचार के लिए उसे कोंच स्थित एक नर्सिंग होम ले जाया गया जहाँ से उसे झाँसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कालेज पहुंचने के कुछ ही देर बाद उसकी देर रात मौत हो गयी। गुरुवार की सुबह गाँव में शव आ जाने के बाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार राय, सुरई चौकी प्रभारी संदीप दीक्षित ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।बताया गया

मृतक के 2 पुत्र नीरज और नीलेश हैं जो अपने पत्नी बच्चों के साथ गैर जनपद में रहकर पानीपूरी का धंधा करते हैं और फ़िलिहाल सभी लोग अपने गाँव स्थित घर पर आए हुए थे। बताया जा रहा है कि मृतक पर्वत सिंह को शरीर में कंपन की बीमारी थी जिसका इलाज बीते कुछ माह से ग्वालियर में चल रहा था और इसी के कारण वह ड्यूटी करने भी नहीं जा पाता था।

कोहरे के कारण गड्ढे में गिरने से बाइक चालक की मौत

■ कोंच

घने कोहरे के चलते एक बाइक सवार युवक गड्ढे में जा गिरा जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गुरावती निवासी मनोज उम्र 40 वर्ष पुत्र सूरज भदौरिया बुधवार को अपने मामा के घर ग्राम चमरसेना गया हुआ था। रात करीब 8 बजे वह बाइक से अपने घर ग्राम गुरावती वापस लौट रहा था तभी घने कोहरे में उसकी बाइक चमरसेना और गुरावती गाँव के बीच कटी पड़ी सड़क में गहरे गड्ढे में जा गिरी। घटना के कुछ देर बाद मौके से गुजर रहे अन्य कुछ बाइक सवारों ने ग्रामीणों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने गड्ढे में से मनोज को बाहर निकाला और उसे कोंच के एक प्राइवेट नर्सिंग होम में ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक अविवाहित था। यह सड़क कुछ माह से कटी हुई पड़ी है लेकिन विभाग इस ओर कोई ध्यान नही दे रहा है।

नगर के लोगों ने जालौन से दिल्ली बस सेवा को पुनः शुरू कराने की मांग की

■ जालौन-उरई

तहसील मुख्यालय को देश की राजधानी से जोड़ने के परिवहन विभाग ने बस सेवा शुरू की थी। जालौन से दिल्ली बस सेवा बंद होने से यात्रियों को मजबूरी में प्राइवेट बसों का सहारा लेना पड़ रहा है। नगर के लोगों ने बस सेवा को पुनः शुरू कराने की मांग की है।

तहसील मुख्यालय जालौन से सीधी देश की राजधानी दिल्ली परिवहन विभाग की बस जाती थी। इस सेवा से नगर के साथ आसपास के गांवों के लोगों को काफी लाभ मिला था।

नगर से ही बस का संचालन होने से यात्रियों को भटकना नहीं पड़ता था। यात्री जालौन से सीधा बस में सवार होकर दिल्ली पहुंच जाते थे। लेकिन सरकार बदलने के साथ ही परिवहन विभाग के अधिकारियों का रवैया भी बदल गया और इस बस सेवा को अचानक से बंद कर दिया गया। ऐसे में नगर के यात्री काफी परेशान हैं।

नगर में जो अस्थाई चौक पोस्ट है उस पर किसी कर्मचारी की नियुक्ति न होने से अन्य डिपो की दिल्ली जाने वाली बसें फर्राटा भरते हुए निकल जाती हैं। मजबूरी में यात्रियों को या तो बसों को बदल बदलकर यात्रा करनी पड़ती है अथवा उन्हें प्राइवेट बसों का सहारा लेना पड़ता है। एक ओर जहां बसों को बदलकर यात्रा करने में समय अधिक खर्च होता है वहीं प्राइवेट बसों में यात्रा करने पर यात्रियों को अधिक किराया चुकाना पड़ता है। ऐसे में जहां लोगों का समय भी खर्च हो रहा है तो वहीं उन्हें रुपये भी अधिक खर्च करने पड़ रहे हैं।

नगर के विनय निगम, देवेंद्र दीक्षित, गोपाल शरण, सुनील त्रिपाठी, सुरेन्द्र कुशवाहा, आकाश लाक्षाकार आदि ने परिवहन विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि उक्त बस सेवा का संचालन पुनः शुरू कराया जाए ताकि लोगों को सहूलियत मिल सके।

जिलाधिकारी ने हदरुख रजवाह और तरसौर रजवाह का किया निरीक्षण

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

■ उरई

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज हदरुख रजवाह और तरसौर रजवाह का निरीक्षण किया और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हदरुख रजवाह पर चल रहे निर्माण कार्य का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने देखा कि फिनिशिंग कार्य और मानक अनुरूप कार्य न मिलने पर उन्होंने संबंधित सहायक अभियंता और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गुणवत्तापरक निर्माण कार्य किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

इसके बाद जिलाधिकारी ने तरसौर रजवाह का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रपटा में कई स्थानों पर दरारें पाई गईं, जिससे पानी के रिसाव का खतरा था। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन दरारों को शीघ्र भर दिया जाए ताकि पानी का रिसाव न हो और रजवाह की कार्यक्षमता बनी रहे। जिलाधिकारी ने दोनों रजवाहों की टीपीआई गुणवत्ता की जांच करने के लिए परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी-3 महेंद्र, अधिशासी अभियंता बेतवा नहर प्रखंड-2 सीपी सिंह तकनीकी टीम को निर्देशित किया। इसके साथ ही, तरसौर रजवाह के पुल के चारों ओर कटान के मामलों पर भी गंभीरता दिखाई और अधिकारियों को त्वरित निर्माण कर इसे सही करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में कोई दुर्घटना न हो।

इस अवसर पर परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी-3 महेंद्र, अधिशासी अभियंता बेतवा नहर प्रखंड-2 सीपी सिंह आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव कराने के लिए ऐल्डर्स कमेटी को वकीलों ने दिया प्रार्थना-पत्र

कोंच। बार एसोसिएशन कोंच की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण हो जाने के बाद नया चुनाव कराने की मांग करते हुए वकीलों ने एल्डर्स कमिटि के अध्यक्ष को पत्र सौंपा। वर्तमान बार एसोसिएशन महामंत्री दीनानाथ निरंजन सहित तमाम वकीलों ने एल्डर्स कमिटि अध्यक्ष को सौंपे पत्र में कहा कि बार एसोसिएशन कोंच की वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल बीती 11 जनवरी को पूर्ण हो चुका है। इसलिए अब नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन होना अति आवश्यक है। वकीलों ने शीघ्र ही बार एसोसिएशन कोंच की आमसभा की बैठक बुलाकर नवीन कार्यकारिणी निर्वाचन की प्रक्रिया आरंभ कराये जाने की मांग की है। पत्र सौंपने वालों में राघवेन्द्र निरंजन, शैलेंद्र कुमार, रामलखन कुशवाहा, देवेश कुमार, नवल किशोर, दिनेश कुमार, प्रमोद गुप्ता, माताप्रसाद, अमित श्रीवास्तव, नरेश चंद्र, अशोक तिवारी, नरेश कुमार आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

चाकू सहित एक को पुलिस ने दबोचा

कोंच। कोतवाली क्षेत्र के खेड़ा चौकी प्रभारी संतराम कुशवाहा ने अपने हमराही सिपाही दीपक के साथ मिलकर भ्रमण के दौरान बुधवार की शाम रहीश पुत्र बाबू उर्फ बबलू निवासी आराजीलेन को एक नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकडे गए अभियुक्त के खिलाफ धारा 4/25 आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर लिया।

वारंटी को किया गिरफ्तार

उरई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के दौरान कदोरा पुलिस ने एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना कदौरा पुलिस द्वारा अन्तर्गत धारा 41/102/411/413/414/420/467/468/471 भादिव में वारण्टी अभियुक्त इंद्र कुमार पुत्र श्याम बहादुर निवासी चंदरसी थाना कदौरा जनपद जालौन को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की गयी।

शोक जताया

जालौन-उरई । नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी व वरिष्ठ पत्रकार की मां का निधन होने पर समूचे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। लोगों ने उनके घर पहुंचकर उन्हें श्रृद्धांजलि दी। नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी अतुल खन्ना व वरिष्ठ पत्रकार आलोक खन्ना की मां मालती खन्ना (82) पत्नी स्व. जीवन सहाय खन्ना का बीमारी के चलते गुरूवार की दोपहर निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही समूचे नगर में शोक की लहर दौड़ गई। नगर के लोगों ने उनके घर जाकर उन्हें श्रृद्धांजलि दी और दिवंगत को श्रीचरणों में स्थान देने व दुखी परिवार को धैर्य प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

वर्चुअली जनसुनवाई कर थानों में आये हुये फरियादियों की समस्यायें सुनी

उरई। पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारीगण के साथ गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअली जनसुनवाई कर थानों/कार्यालयों में आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के उचित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को सांसद ने कंबल वितरित किए

■ जालौन-उरई

हाड़ कंपाऊ ठंड के चलते सामान्य जन जीवन प्रभावित हो रहा है। निर्धन बेसहारा लोगों को ठंड से बचाव के वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्धजनों को सांसद नारायणदास अहिरवार ने कंबल वितरित किए। कंबल पाकर वृद्धों के चेहरे खिल उठे।

संस्था चेतना द्वारा कोंच रोड पर निशुल्क वृद्धा आश्रम संचालित किया जा रहा है। नगर में संचालित वृद्धा आश्रम में लोगों के रहने व खाने समेत कपड़े आदि की व्यवस्था है। वृद्धाश्रम में रह रहे 59 वृद्धों को सर्दी के मौसम में ठंड व शीतलहर से बचाव के लिए सांसद नारायणदास अहिरवार कंबल वितरण किया गया। कंबल पाकर वृद्धजनों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

संस्था प्रमुख देवेंद्र कुमार ने बताया कि जिन वृद्ध लोगों के पास खाने पीने की व्यवस्था नहीं है और बेसहारा है। ऐसे लोगों को वृद्ध आश्रम में निशुल्क रहने की व्यवस्था की जाती है। उन्हें खाना व जीवन यापन के लिए आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस मौके पर प्रबंधक एस कुमार, निशिचंद्र, पूजा, निधि, मीनू शाक्य, सुनील परिहार, सतेंद्र सिंह, संतोष कुमार उपाध्याय, दीवान सिंह भदौरिया आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री को पत्र भेजकर निर्धन परिवारों को आयुष्मान योजना का लाभ दिलाने की मांग की

जालौन-उरई। निर्धन परिवारों को निशुल्क उपचार के लिए आयुष्मान कार्ड शुरू की गयी थी। इस योजना के चालू होने के बाद छोटे गरीब परिवार इसके लाभ से वंचित रह गये हैं। पूर्व सैनिक ने केंद्रीय मंत्री को मांग पत्र भेजकर छोटे निर्धन परिवारों को योजना का लाभ दिलाने की मांग की है। रुपयों के अभाव में गम्भीर रोगों से ग्रस्त लोगों की उपचार के अभाव में मौत हो जाती थी। उपचार के अभाव में किसी की मौत न हो इसके लिए सरकार आयुष्मान कार्ड योजना लेकर आयी थी। इस योजना में 5 लाख तक का मुफ्त इलाज की व्यवस्था है। चुनाव से पूर्व सरकार ने आयुष्मान योजना को विस्तार देते हुए 6 परिवार वाले सदस्यों को जोड़ने का आदेश दिया था। सरकार इस निर्णय के बाद लोगों ने सरकार के इस निर्णय पर अपने ढंग से व्याख्या शुरू कर दी थी। पूर्व सैनिक आर एस जौहरी ने गृह मंत्री भारत सरकार को मांग पत्र भेजा कर कहा है कि पूर्व तमाम परिवारों ने परिवार नियोजन अपनाया था जिससे उनके परिवार छोटे हो गये थे। परिवार छोटे होने के कारण तमाम निर्धन छोटे परिवारों को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है ।पूर्व सैनिक ने गृहमंत्री से छोटे निर्धन परिवारों को आयुष्मान योजना में सम्मिलित किये जाने की मांग की है।

पालिकाध्यक्ष ने बाजार में घूमकर दुकानदारों का हालचाल जाना

■ कोंच

पालिकाध्यक्ष ने नगर के बाजारो में पैदल घूमकर दुकानदारो से भेंट की तथा मकर संक्रांति की बधाई दी। पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता नगर के मुख्य बाजार सर्राफा बाजार, रामगंज बाजार, पसरट बाजार, लबली चौराहा, आदि में पैदल घुमे उन्होने नगर वासियो को मकर संक्रांति की बधाई दी तथा सभी का हालचाल जाना उन्होने नगर मेंजल रहे अलावो को भी देखा तथा कहा कि नगर को सुन्दर और स्वच्छ बनाने में सभी के सहयोग से कोई कोर कसर नही छोडी जाएगी।उन्होंने कहा सभी लोग मिलजुल कर इसी तरह हांसी खुशी से त्योहार मनाते रहे। पालिकाध्यक्ष ने कहा नगर को सुन्दर बनाने मे यदि कोई सुक्षाव देता है तो वह अवश्य बताए। इस मौके पर आनंद सकेरे, अमित सोनी, आनंद सेठ, ऋषि अग्रवाल, सचिन गुप्ता, देवेंद्र याज्ञिक, अंकित यादव आदि मौजूद थे।

मुखबिर की सूचना पर वारंटी को दबोचा

कोंच। वारंटी पकडो अभियान के तहत कोतवाली क्षेत्र के खेड़ा चौकी प्रभारी संतराम कुशवाहा ने मुखबिर की सूचना पर लंबे समय से वारंटी चल रहे अभियुक्त पप्पू उर्फ निहाल पुत्र रहमतउल्ला निवासी आराजीलेन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा उसे कोर्ट में पेश किया गया। अभियुक्त पप्पू के खिलाफ कोतवाली में धारा 5/8 गौवद्य निवारण अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया गया था। दर्ज मुकदमे की तारीखों से गैरहाजिर रहने के चलते कोर्ट ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

बालिकाओं को सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु किया जागरूक

■ उरई

मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु जनपद जालौन की महिलाओं/बालिकाओं को पुलिस और सरकार की तरफ से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं आदि की जानकारी दी जा रही है ।

महिलाओं/बालिकाओं को नारी सुरक्षा/मिशन शक्ति अभियान के तहत विभिन्न हेल्प लाइन नम्बर वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102 एम्बुलेंस सेवा 108 व साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा थानों के सीयूजी नम्बर आदि के बारे जानकारी देते हुए 24 घण्टे पुलिस सहायता प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया जा रहा है तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, जरूरी सूचनाओं, कल्याणकारी योजनाओं एवं सुरक्षा संबंधी जानकारियों सहित बुकलेट/पैम्पलेट आदि भी वितरित किये जा रहे हैं ।

8 साल में 3 राज्यों में होगा कुंभ, 40 करोड़ की सिक्योरिटी और क्राउड मैनेजमेंट की स्टडी

महाकुंभ पर पीएचडी करने देशभर से आए शोधार्थी

मध्य प्रदेश के 5 सीनियर अफसरों की टीम संगम में यूपी के अफसरों के साथ बोट पर सवार है। उज्जैन रेंज के एडीजी उमेश जोगा चर्चा कर रहे हैं। क्राउड मैनेजमेंट और संगम के अंदर तैयारियों पर बात कर रहे हैं। टीम इसका पूरा डॉक्यूमेंट तैयार कर रही है। इसके बाद इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के साथ भी चर्चा की। यह स्टडी 3 साल बाद उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ के लिए की जा रही है। सिर्फ मध्य प्रदेश की टीम ही नहीं, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक के अधिकारी भी महाकुंभ में मैनेजमेंट समझने के लिए डेरा जमाए हैं। 8 साल में 3 राज्यों में कुंभ का आयोजन होना है। अफसर जानना चाहते हैं कि जहां 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, वहां क्राउड मैनेजमेंट कैसा है? सुरक्षा व्यवस्था कैसे की गई? मध्य प्रदेश की टीम लीड करने की जिम्मेदारी एडीजी रैंक के सीनियर आईपीएस अफसर उमेश जोगा को दी गई है। टीम में शामिल डीआईजी उज्जैन नवनीत भसीन और डीआईजी PHQ तरुण नायक ने यहां इंटेलिजेंस की व्यवस्था देखी। एसपी राहुल लोढ़ा ने रेलवे से जुड़ी व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। आईपीएस अधिकारी हितेश चौधरी, एएसपी साइबर सेल, उज्जैन के एएसपी के साथ ही थाना प्रभारी, हेड कॉन्स्टेबल और पुलिस विभाग के आरआई को भी इस पूरे ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल किया गया है।

सबसे ज्यादा फोकस ट्रैफिक-क्राउड मैनेजमेंट पर

उमेश जोगा बताते हैं- मेरी लंबे समय तक पोस्टिंग रीवा में रही है। हर मंगलवार को बड़े हनुमान जी के दर्शन करने प्रयागराज आता था। इस वजह से इस शहर से ज्यादा अनजान नहीं हूं। अभी 2 दिन की विजिट में

हमारा सबसे ज्यादा फोकस ट्रैफिक-क्राउड मैनेजमेंट पर रहा। इसी पर सबसे ज्यादा समय स्पेंड किया। हमारे लिए लर्निंग पॉइंट यह है कि जिस दिशा से यहां क्राउड आ रहा है, उनके लिए अलग-अलग घाट हैं, ताकि भीड़ इकट्ठा ना हो। हमने देखा मेन मैनेजमेंट किस तरह से है? कहां-कहां पर लोगों को रुकवाया गया है, ये व्यवस्था भी देखी। साइबर अटैक रोकने के लिए क्या किया गया? यह भी देखा। घाटों पर किस तरीके से वाटर जेट्स बनाए गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को भी हमने देखा। बाकी एडमिनिस्ट्रेशन के साथ रेलवे का को-ऑर्डिनेशन कैसा है, इसके बारे में जाना। कुंभ में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट हुआ है, उसका किस तरीके से इस्तेमाल किया जाएगा, इसे भी देखा। उमेश जोगा के मुताबिक, यहां बने कंट्रोल रूम में बड़ी संख्या में सीसीटीवी लगाए गए हैं। साथ ही डिजिटल पोस्टर लगे हैं। प्राइवेट टीम की भी मदद ली गई है। ये सब रियल टाइम में लोगों से कैसे कम्युनिकेट करेंगे, हम ये भी देखना चाहते थे। कई पॉइंट पर एडीजी प्रयागराज जोन के साथ भी बातचीत हुई। उमेश जोगा कहते हैं- इस बार मध्य प्रदेश शासन ने पहले से ही ऐसा स्टेप लिया है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में लगने वाले समय को कवर किया जा सके।

राहुल गांधी अलग थलग पड़ गए

कांग्रेस राहुल गांधी पर जो सफाई दे रही है, वह बहुत हास्यस्पद है। यह इंडी गठबंधन के पूर्व सहयोगियों के भी पल्ले नहीं पड़ रही।

अजय सेतिया की कलम से

आजकल एक दूसरे को देशद्रोही कहने की हवा चल रही है। सबसे पहले अजय माकन ने अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही कहा था। फिर राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत को देशद्रोही कहा। फिर भाजपा ने राहुल गांधी को देशद्रोही कहा। अजय माकन का केजरीवाल को देशद्रोही कहना उन्हें महंगा पड़ा था। विदेशी और भीतरी दबावों में राहुल गांधी ने उन्हें केजरीवाल को देशद्रोही कहने से रोक दिया था। वरना माकन तो केजरीवाल के देशद्रोह के सबूत देने वाले थे। लेकिन, गुरुवार को अजय माकन ने फिर दोहराया है कि उन्होंने सोच समझ कर ही केजरीवाल को देशद्रोही कहा है और वह अपने बयान पर कायम हैं। राहुल गांधी भले ही जुबान संभाल कर बोले, लेकिन संदीप दीक्षित और अजय माकन ने शराब घोटाले को पूरे जोर-शोर से उठाना शुरू कर दिया है। आतिशी मार्लेना ने यह कहकर कांग्रेस और भाजपा को नया हथियार दे दिया है कि आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो एक बोतल के साथ एक बोतल वाली शराब नीति वापस लाएंगे। घर-घर पानी भले न पहुंचा सकें, घर-घर शराब जरूर पहुंचाएंगे। जिन क्षेत्रीय दलों ने राहुल गांधी पर दबाव बनाया था कि भले ही कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आमने-सामने चुनाव लड़ें, लेकिन केजरीवाल को देशद्रोही न कहें। उसी विपक्ष के कुछ दलों ने डॉ. भागवत को देशद्रोही कहने पर राहुल गांधी का समर्थन किया है। इनकी यही समस्या है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगाकर वापस लेना पड़ा। थूंक कर चाटना पड़ा। रस्सी जल गई, पर बल नहीं गया। ममता बनर्जी ने भी डॉ. भागवत के खिलाफ उसी भाषा का इस्तेमाल किया है, जिस भाषा का इस्तेमाल राहुल गांधी ने किया था। अब मुकदमेबाजी का दौर शुरू होना है। कांग्रेस डॉ. भागवत के खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दायर करवाने की तैयारी कर रही है और भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ। भाजपा राहुल गांधी के चीन के साथ किए गए गुप्त समझौते को मुकदमे का आधार बना रही है। कांग्रेस राहुल गांधी पर जो सफाई दे रही है, वह बहुत हास्यस्पद है। जो इंडी गठबंधन के पूर्व सहयोगियों के भी पल्ले नहीं पड़ रही। इंडी गठबंधन के पूर्व सहयोगी मैं इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि कांग्रेस की तरफ से कहा जा चुका है कि इंडी गठबंधन सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए था। कांग्रेस की तरफ से सफाई यह दी गई है कि राहुल गांधी ने उन संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ लड़ने की बात कही थी, जिन पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कब्जा हो गया है। राहुल गांधी की नजर में चुनाव आयोग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कब्जा है। न्यायपालिका पर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कब्जा है। चुनाव आयोग ईवीएम को हटा नहीं रहा और सर्वोच्च न्यायालय भी उनकी सुन नहीं रहा। कांग्रेस की नजर में दोनों मोदी से मिले हुए हैं। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव नतीजों के बाद सबसे ज्यादा परेशान राहुल गांधी हैं। क्योंकि, लोकसभा चुनाव नतीजों से बनी बनाई हवा निकल गई। कहां तो वह सोच रहे थे कि मोदी सरकार चलेगी नहीं, कहां हरियाणा और महाराष्ट्र ने भाजपा को मजबूत कर दिया। जिन नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के भरोसे वह मोदी सरकार गिराने के मंसूबे बना रहे थे, वे चट्टान की तरह मोदी के साथ खड़े हैं। दोनों मोदी की तारीफ में कसीदे पढ़ रहे हैं। अब तो जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी मोदी के कसीदे पढ़ना शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र ने राहुल गांधी का जो गुड़ गोबर किया है, उसके बाद राहुल गांधी ने वोटर लिस्ट पर सवाल उठाना शुरू किया हुआ है। वह कहते हैं कि लोकसभा चुनावों के बाद महाराष्ट्र में एक करोड़ नए वोटर जोड़े गए। हालांकि, यह सामान्य प्रक्रिया है। भाजपा ने जरा ज्यादा जोर लगा कर नए वोटर जुड़वाए होंगे। लेकिन, चुनाव आयोग बाकायदा राजनीतिक दलों को आपत्ति का समय देता है। अगर कांग्रेस पार्टी के पास जमीनी वर्कर नहीं बचे हैं, जो समय पर आपत्ति दायर कर सकें तो इसमें चुनाव आयोग का क्या दोष। कांग्रेस की सफाई यह है कि क्योंकि कांग्रेस को संवैधानिक संस्थाओं चुनाव आयोग और न्यायपालिका से लड़ना पड़ रहा है, इसलिए वह एक तरह से देश के साथ लड़ रहे हैं। वैसे कांग्रेस का यह तर्क खुद उनके सहयोगी दलों को नहीं पच रहा। इसलिए किसी भी विपक्षी पार्टी ने राहुल गांधी का बचाव नहीं किया। क्योंकि, कोई भी राहुल गांधी के साथ खड़े होना दिखना नहीं चाहते। टीवी चैनलों पर कांग्रेस प्रवक्ताओं के अलावा सिर्फ कांग्रेस समर्थक पत्रकार ही उनका बचाव कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस को औकात में रखने की राजनीति करना शुरू कर दिया है। क्योंकि, कांग्रेस ने खुद कहा है कि इंडी गठबंधन खत्म हो चुका है तो जल्द ही कांग्रेस को आप संसद में भी अलग-थलग देखेंगे। क्योंकि, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे में राहुल गांधी के नेतृत्व के खिलाफ खिचड़ी पक रही है, जिसे आप संसद के बजट सत्र में भी देखेंगे।

जान गंवाने वाले फलस्तीन छात्रों के प्रति शोक व्यक्त किया

सिंगापुर विवि में इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर हुए प्रदर्शन की जांच शुरू

एजेंसी, सिंगापुर

सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में सोमवार को इस्राइल-हमास युद्ध को लेकर हुए विरोध प्रदर्शन का मामला जोर पकड़ रहा है। विवि में येरुशलम के हिब्रू विवि के साथ एक शोध गठबंधन का छात्रों ने विरोध किया। विवि परिसर में हुए विरोध प्रदर्शन पर सिंगापुर ने छात्रों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं सिंगापुर सरकार ने एक बार फिर फलस्तीनियों की मदद का एलान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विवि में क्रिएट रिसर्च बिल्डिंग के सामने छात्रों ने 100 जोड़ी जूते और सफेद कफन रखकर विरोध किया। छात्रों ने इस्राइल हमास युद्ध में जान गंवाने वाले फलस्तीन छात्रों के प्रति शोक व्यक्त किया। स्टूडेंट्स फॉर फलस्तीन सिंगापुर के नेतृत्व में इस हुए प्रदर्शन में छात्रों ने सिंगापुर से इस्राइल के साथ शैक्षिणिक, आर्थिक और राजनीतिक संबंध समाप्त करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने बताया कि उन्होंने क्रिएट रिसर्च बिल्डिंग को इसलिए चुना क्योंकि इसमें येरुशलम के हिब्रू विश्वविद्यालय के साथ अनुसंधान गठबंधन है। यह गठबंधन गाजा में नरसंहार का मुखर और वित्तीय रूप से समर्थन करता है। छात्रों ने सिंगापुर के विश्वविद्यालयों से इस्राइली विवि के साथ सहयोग समाप्त करने का आह्वान किया।

बिना अनुमति सभा करने के नियम का पालन नहीं हुआः पुलिस

विरोध प्रदर्शन करने पर पुलिस ने छात्रों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने कहा कि सिंगापुर में सार्वजनिक सभाएं सार्वजनिक व्यवस्था अधिनियम 2009 के तहत होती हैं। यहां पुलिस की अनुमति के बिना सार्वजनिक सभा का आयोजन करना या उसमें भाग लेना अपराध माना जाता है। पुलिस ऐसी सभाओं को अनुमति नहीं देगी जो दूसरे देशों या विदेशी संस्थाओं के राजनीतिक कारणों की वकालत करती हों या जिनमें भावनाओं को भड़काने और सार्वजनिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की क्षमता हो।

12 नक्सलियों को एनकाउंटर में मार गिराया

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों से हुई भीषण मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ सुबह करीब नौ बजे दक्षिण बीजापुर के जंगल में हुई, जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल रोधी अभियान पर थी। उन्होंने बताया कि तीन जिलों के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की विशिष्ट जंगल युद्ध इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रिजोल्यूट एक्शन) की पांचवीं बटालियन और सीआरपीएफ की 229वीं बटालियन के जवान इस अभियान में शामिल हैं।

2002 में साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आगजनी में हुई थी 59 की मौत

सुप्रीम कोर्ट में होगी गोधरा कांड की सुनवाई, हाई कोर्ट ने 11 दोषियों की सजा को फांसी से उम्रकैद में था बदला

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में गुजरात सरकार और कई अन्य दोषियों द्वारा दायर अपील पर 13 फरवरी को सुनवाई करेगा। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ ने स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई पर मामले में कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। गुजरात के गोधरा में 27 फरवरी, 2002 को साबरमती एक्सप्रेस के एस-6 कोच में आग लगा दी गई थी, जिसमें 59 लोग मारे गए थे और इसके बाद राज्य में दंगे भड़क गए थे। गुजरात

हाई कोर्ट के अक्टूबर 2017 के फैसले को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत में कई अपील दायर की गई हैं। हाई कोर्ट के इस फैसले में कई दोषियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था और 11 लोगों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया गया था। गुजरात सरकार ने फरवरी 2023 में शीर्ष अदालत को बताया था कि वह उन 11 दोषियों के लिए मृत्युदंड का अनुरोध करेगी, जिनकी सजा को हाई कोर्ट ने आजीवन कारावास में बदल दिया था। मामला जब गुरुवार को सुनवाई के लिए आया तो एक दोषी की ओर से पेश हुए वकील ने कहा कि कोई सुबूत रिकॉर्ड में नहीं रखा गया है। जस्टिस माहेश्वरी ने कहा- 'हम मामले की सुनवाई करेंगे और हमने पहले भी यह स्पष्ट किया था। हम इस मामले को स्थगित नहीं करेंगे। इस मामले को कम से कम पांच बार स्थगित किया जा चुका है। पिछले एक साल से मैं इस मामले को स्थगित कर रहा हूं।'

आशिके रसूल व अहले बैत (अ.स.) प्रिंसेस जरताज बेगम का मक्का शरीफ में इन्तेकाल और जन्नतूल मुअल्ला में तदफीन

प्रिंसेस जरताज बेगम बिन्ते गुलाम महबूब खान, उमराह करने की पाक नियत से मक्का शरीफ गई हुई थी। तारीख 27 नवंबर 2024 को मक्का शरीफ में खाना ए क़ाबा के करीब मैं अचानक बिना किसी बीमारी व तकलीफ के इन्तकाल कर गई, नमाजे जनाजा फजर की नमाज के बाद मस्जिदें हराम में अदा की गई गए और तदफीन कब्रिस्तान जन्नतूल मुअल्ला मैं हुई। अरब के रिवाज के मुताबिक ऐसी तदफीन के वक्त दो चार रिश्तेदार के अलावा किसी और

शख्स को क़ब्रिस्तान में जाने की इजाजत नहीं होती है मगर प्रिन्सेस जरताज की तदफीन के वक़्त सैकड़ों लोग शामिल थे और वहाँ की हुकूमत के नुमाइंदों ने भी किसी को नहीं रोका जो की एक गैर मामूली और हैरतंगेज बात है। प्रिन्सेस जरताज बेगम अल्लाह और उसके रसूल और अहले बैत से बेइंतहा अकीदत और मोहब्बत रखने वाली खातून थी और इसी के सबब अल्लाह ताला ने ही उनको ये मौका फराहम किया कि मक्का शरीफ में मौत और जन्नतुल मुअल्ला में तदफीन जो की बहुत ही ज्यादा खुश नसीब लोगों को नसीब होता है। मरहुमा की इसाले सवाब के लिए उनके फरजन्द प्रिंस मोहम्मद याकूब हबीबुद्दीन तुसी साहब से मोहब्बत रखने वाले उनके रिश्तेदारों और दोस्तों के जरिए पूरी दुनिया में 700 से ज्यादा कुराने करीम की तिलावत का एहतमाम किया गया जिसमें मस्जिदें हराम और मक्का शरीफ, मस्जिद नबवी मदीना शरीफ, के अलावा तमाम अरब और अमरीका, इंग्लैंड, बगदाद और भारत में अजमेर गरीब नवाज की दरगाह शरीफ और हैदराबाद में दरगाह पत्थर वाले बाबा साहब शामिल हैं। मरहूमा की गायबाना नमाज ए जनाजा मस्जिदें नबवी और मस्जिदें अक्सा फि लिस्तीन में अदा की गई। वफात के दिन से चालीसवें दिन तक जनाब एम ए हतारवी साहब और मुफ्ती साउथ अफ्रीका दारूल उलूम ने रोजाना एक कुराने करीम की तिलावत फरमाई ॥ प्रिंस याकूब हबीबुद्दीन तुसी साहब के मुताबिक फि लिस्तीन एम्बेसी, भारत सेवा संगठन और दारुल उलूम साउथ अफ्रीका ने भी अपने अपने ताज्जियत नामे लिखित रूप में उनके पास भेजे।

संपादकीय

सैफ पर हमला

सलमान को धमकियां, फिल्मी सितारों के करीबी और कई बार के विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या और अभिनेता सैफ अली खान के घर में जानलेवा हमला। क्या ये इस ओर इशारा नहीं कर रहे कि बॉलीवुड सितारे खतरे में हैं? हाई सिक्योरिटी सोसाइटी में कोई आसानी से नहीं घुस सकता, लेकिन हमलावर सैफ अली खान के बैडरूम तक जा पहुंचा। इस बीच आरोपी की सीसीटीवी में कैद हुई तस्वीरें सामने आई हैं। ये तस्वीर छठे मंजिल की है, जब वो हमले के बाद 12वीं मंजिल से फरार हो रहा है। सैफ अली खान 12वें मंजिल पर ही रहते हैं, यहीं उनपर रात के करीब ढ़ाई बजे हमला हुआ। जब हाई सिक्योरिटी में रहने वाले ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम आदमी कैसे सुरक्षित रह सकता है। हमलावर किस मंशा से सैफ के घर में घुसा? कहा जा रहा है कि चोरी के इरादे से हमलावर सैफ के घर में दाखिल हुआ था। अब खबरों के कहा जा रहा है कि हमलावर सैफ से एक करोड़ की डिमांड की थी। असल मामला क्या है, यह तब सामने आएगा, जब हमलावर पकड़ में आ जाएगा। मीडिया में हमलावर की सीसीटीवी फोटो और वीडियो सामने आए हैं। लेकिन सवाल है कि क्या हमलावर वही है, जो सीसीटीवी में दिख रहा है? मुंबई की सख्त कानून व्यवस्था की बहुत बातें होती हैं, लेकिन ऐसा है नहीं। अगर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त होती तो किसी की हिम्मत सैफ के घर में घुसने की नहीं होती। सैफ पर हुए हमले पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इसके बारे में पुलिस ने जानकारी दी है यह किस तरह का हमला है सभी जानकारी पुलिस ने दी है। ऐसा कहना की मुंबई असुरक्षित है यह गलत है। मुंबई पूरी तरह से सुरक्षित है। किस प्रकार की मंशा से यह हमला हुआ है सभी चीजें जल्द ही सामने आएंगी। सवाल यह है कि क्या बॉलीवुड अपराधियों के निशाने पर है? अगर ऐसा है तो महाराष्ट्र सरकार को कठोर कदम उठाने होंगे। फिल्म अभिनेता अति सुरक्षा में रहने को मजबूर हैं। शूटिंग के वक्त पर उन की सुरक्षा बहुत अहम है। महाराष्ट्र सरकार कुछ भी कहे, लेकिन हालिया कई घटनाओं ने बॉलीवुड सितारों को दहशत में ला दिया है। संभव है कि अब बहुत सारे अभिनेता देश छोड़ कर विदेश में बसने का फैसला करें। उन्हें अपने साथ ही अपने परिवार की भी चिंता है। बॉलीवुड पर संकट है। सैफ अली खान के हमले के बाद महाराष्ट्र सरकार पर सवाल उठेंगे, जिनका उसे जवाब देना होगा।

महाराष्ट्र सरकार कुछ भी कहे, लेकिन हालिया कई घटनाओं ने बॉलीवुड सितारों को दहशत में ला दिया है। संभव है कि अब बहुत सारे अभिनेता विदेश में बसने का फैसला करें।

पाठकवाणी

गलत राह पर विपक्ष

अनेक संचार माध्यमों का प्रयोग कर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के उद्बोधा का गलत रूप से प्रचार करने का कार्य शुरू कर दिया है। उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया, जिसकी आलोचना की जाए। इसी कड़ी में कांग्रेस के विभिन्न नेता, प्रवक्ता एवं कार्यकर्ता गिरफ़्तारी तक की मांग उठाने लगे, सोशल मीडिया में भद्दे और फूहड़ किस्म के ट्रेंड चलाए जाने लगे, बिना ये सोचे समझे कि संघ एक गैरराजनैतिक संगठन है, जिसका राजनीति से नहीं, सीधे हिंदुत्व से सम्बन्ध है और हिंदुओ के विश्व के सबसे विशाल संगठन के प्रमुख के लिए ओछी भाषा का प्रयोग सीधे हिंदुओ को प्रभावित कर सकता है। इतनी सोच और समझ एक सामान्य नागरिक में भी है, तो कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल क्या जानबूझकर ऐसा कर रहे हैं? क्या एक बार फिर हिंदुत्व और हिंदुओ को कमजोर करने का प्रयास और प्रयोग किया जा रहा है? या फिर मुद्दा कुछ और ही है? इतना तय है कि कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने एक बार फिर गलत राह पकड़ ली है, जिसका अनुमान उन्हें समय के साथ होना निश्चित है, क्योंकि ये समय हिंदुत्व के पुनर्जागरण का है, जिसे विपक्ष स्वीकार नहीं कर पा रहा है। विपक्ष को सच्चाई स्वीकार करनी होगी कि अब हिंदुओं में फूट नहीं डाली जा सकती।

-मनोज पुरुषार्थी, मेरठ

कुछ खास

आज देश के प्रतिभाशाली छात्रों के सपनों को संवारने वाली एनटीसीई छात्रवृत्ति तीन साल से बंद है। मुझे भी यह स्कॉलरशिप 1978 में मिली थी। सिर्फ 40 करोड़ रुपये में इसे जारी रखा जा सकता था। मोदी के 'परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम' पर 62 करोड़ रुपये खर्च हुए।

-योगेंद्र यादव, स्वराज इंडिया अध्यक्ष

आज का ट्वीट

''पहले बाबा सिद्दीकी की हत्या और आज घर में घुस कर सैफ अली खान पर हमला। सोचिए जब इन लोगों पर हमला हो सकता है, तो आम लोगों की जान की क्या कीमत होगी? कोई जंगलराज नहीं बोलेगा?''

-प्रियंका भारती

साइबर वर्ल्ड

राहुल का संघ पर नया हमला

राहुल गांधी ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बड़ा हमला बोला है। इस बार उनके निशाने पर सीधे संघप्रमुख मोहन भागवत आए हैं। दरअसल मंगलवार को भागवत ने एक बयान में वह सब कह दिया जो संघ वर्षों से कहता तो आया है लेकिन जब बात सार्वजनिक रूप से कहने या संवैधानिक मंच से स्वीकारने का अवसर आता है तो संगठन या तो मुकर जाता है या अपनी लाइन बदल देता है। 15 अगस्त, 1947 को भारत आजाद हुआ था और स्वतंत्र भारत का नीति-नियामक ग्रंथ भारतीय संविधान है, यह सभी जानते हैं परन्तु संघ का हमेशा से कुछ अलग ही विचार रहा है। आजादी की लड़ाई से खुद को दूर रखने वाले संघ ने 26 जनवरी, 1950 को लागू किए गए संविधान को भी यह कहकर स्वीकार नहीं किया था कि इसमें कुछ भी भारतीय नहीं है। जाहिर है कि संघ एवं उसके राजनीतिक विंग पूर्ववर्ती जनसंघ और वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की पसंद मनुस्मृति रही है जो गैरबराबरी और वर्ण भेद पर आधारित संहिता है। यह कुनबा आजाद भारत के संवैधानिक प्रतीकों के भी खिलाफ रहा है। यही कारण है कि वर्षों तक संघ के नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पर तिरंगा नहीं, वरन शाखाओं में फहराया जाने वाला भगवा झंडा ही लगाया जाता था। ऐसा भी नहीं कि राहुल इस मुद्दे पर पहली बार संघ को घेर रहे हैं, पर इस बार सीधे भागवत पर हमला कर उन्होंने दर्शा दिया है कि लगातार तीसरी बार लोकसभा का चुनाव हारने, भाजपा को तीसरी बार सत्ता से दूर रखने में असफल रहने तथा इंडिया गठबन्धन की एकजुटता में आ रहे अवरोधों के बावजूद संघी विचारधारा के खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई न धीमी पड़ी है और न ही ठंडी। अपनी दोनों भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान राहुल ने विचारधाराओं का जो संघर्ष छेड़ा था, उसमें कांग्रेस न तो कोई ढील देने जा रही है और न ही वह इससे पीछे हटेगी। उसे यह भी पता है कि वह संघ के विरोध की लड़ाई में बिलकुल अकेली है, वैसे ही जिस प्रकार आजादी की लड़ाई उसने अपने बलबूते पर लड़ी थी।

-पलाश सुरजन की फेसबुक वॉल से

सामयिक

समुद्री जीवों पर मंडराता संकट

शाहीन सबा

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, सैन डियागो (अमेरिका) में जैविक समुद्र विज्ञान एवं समुद्री पारिस्थितिकी की जानी-मानी प्रोफेसर लीसा ए लेविन का यह खुलासा चिंतित करने वाला है कि समुद्र का इकोसिस्टम अब कम होती कुदरती ऑक्सीजन और मीथेन गैस के रिसाव के कारण दूषित हो रहा है। उन्होंने इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग को जिम्मेदार ठहराते हुए आगाह किया है कि जलवायु बदलने से समुद्र तल गर्म हो रहा है जिससे वहां के जीवों को जीने लायक तापमान नहीं मिल रहा है। नतीजतन वहां के जीव ठंडे पानी की ओर पलायन कर रहे हैं। उनके मुताबिक औद्योगिक युग के बाद से पूरी दुनिया के महासागरों की 2 फीसदी ऑक्सीजन कम हो चुकी है, जबकि कुछ इलाकों में यह कमी 30 से 40 फीसदी कम हो चुकी है। इन परिस्थितियों में अगर समुद्री जीवन को बचाने की ठोस पहल नहीं हुई और समुद्री सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों का अनुपालन नहीं हुआ तो समुद्री जीवन तबाह हो सकता है।

उल्लेखनीय है कि 1950 के दशक के शुरुआत से ही समुद्री सुरक्षा से जुड़े कानून को लेकर हुए संयुक्त राष्ट्र के कई सम्मेलनों में समुद्री प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जा चुकी है। 1972 के स्टॉकहोम में मानव पर्यावरण पर हुए संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में भी समुद्री प्रदूषण पर चर्चा हुई। तब समुद्री प्रदूषण रोकने के लिए कचरे व अन्य पदार्थों के समुद्र में फेंके जाने को लेकर संधि पत्र पर हस्ताक्षर हुए। इस समझौते को लंदन समझौता कहा जाता है। लेकिन समुद्री प्रदूषण रोकने के अभी तक सभी कानून नाकाफी ही साबित हुए हैं। नतीजा समुद्री जैव विविधता पर खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। उदाहरण के तौर पर वर्ष 1970 से देखें तो खुले समुद्र में शार्क की तादाद 70 फीसदी तक घट गई है।

प्रशांत महासागर के एक बड़े क्षेत्र के समुद्री जल में ऑक्सीजन की मात्रा लगातार घट रही है। यह शोध जार्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने किया है। इसके पीछे भी एशियाई क्षेत्र से उत्पन वायु प्रदूषण को ही जिम्मेदार ठहराया गया है।

समुद्री जीवन में प्रदूषण के तीन रास्ते हैं। एक, महासागरों में कचरे का सीधा छोड़ा जाना, दूसरा वर्षा के कारण नदी-नालों में अपवाह से और तीसरा वातावरण में छोड़े गए प्रदूषकों से। समुद्र में प्रदूषण के लिए सबसे आम रास्ता नदियां हैं। समुद्र में पानी का वाष्पीकरण सर्वाधिक होता है। संतुलन की बहाली महाद्वीपों पर बारिश के नदियों में प्रवेश और फिर समुद्र में वापस मिलने से होती है। उदाहरण के लिए न्यूयॉर्क में हडसन और न्यूजर्सी में रैरीटेन जो स्टेटन द्वीप के उत्तरी और दक्षिणी सिरों में समुद्र में मिलती है, जिससे समुद्र में प्राणी मंदप्लवक यानी कोपपॉड के पारा प्रदूषण का मुख्य स्रोत है। फिल्टर-फीडिंग कोपपॉड में सबसे ज्यादा मात्रा इन नदियों के मुखों में नहीं बल्कि 70 मील दक्षिण में एटलांटिक सिटी के नजदीक है क्योंकि पानी के तट के बिल्कुल नजदीक बहता है। अमूमन तय प्वाइंट प्रदूषण तब होता है जब प्रदूषण का इकलौता, स्पष्ट और स्थानीय स्रोत मौजूद हो। अंदरुनी भागों में तांबे, सोने इत्यादि का खनन भी समुद्री प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत है। ज्यादतर प्रदूषण महज मिट्टी से होता है जो नदियों के साथ बहते हुए समुद्र में प्रवेश करती है। हालांकि खनन के दौरान खनिजों के निस्सरण से कई समस्याएं उभरकर सामने आती हैं।

खनन का बहुत घटिया ट्रैक रिकार्ड है। उदाहरण के लिए अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी की मानें तो खनन ने पश्चिमी महाद्वीपीय अमेरिका में 40 फीसद से ज्यादा जलोत्सारण क्षेत्रों के नदी उद्गमों के हिस्से को प्रदूषित किया है और इस प्रदूषण का सर्वाधिक हिस्सा समुद्र में मिलता है। वातावरण में छोड़े गए प्रदूषकों से भी समुद्र प्रदूषित हो रहा है। मसलन कृषि से सतह का अपवाह, साथ शहरी अपवाह और सड़कों, इमारतों, बंदरगाहों और खाड़ियों के निर्माण से हुआ अपवाह कार्बन, नाइट्रोजन, फास्फोरस और खनिजों से लदे कणों और मिट्टी को अपने साथ ले जाता है। सड़कों और राजमार्गों से दूषित अपवाह तटीय इलाकों में जल प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत है। इसमें प्रवेश करने वाले 75 फीसद जहरीले रसायन, सड़कों, छतों, खेतों और अन्य विकसित भूमि से तूफानों के दौरान पहुंचते हैं। वैज्ञानिकों की मानें तो जीवाश्म ईंधन का उपयोग, औद्योगिक कार्बन उत्सर्जन और जंगल की आग इत्यादि से समुद्री जीवन जहरीला बन रहा है। इन वैज्ञानिकों का कहना है कि इनसे उत्सर्जित पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स (पीएएचएस) नामक घातक रसायन की मात्रा समुद्र में लगातार बढ़ रही है और समुद्री जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ गया है। वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि इसके पीछे 90,000 टन पीएएचएस का उत्सर्जित होना है। उल्लेखनीय है कि पीएएचएस सौ से अधिक घातक रसायनों का समूह होता है, जो कि जीवाश्म ईंधन और लकड़ी के जलने से वातावरण में उत्सर्जित होता है। इन्हें जानलेवा प्रदूषक तत्वों की श्रेणी में रखा गया है। स्पेन के वैज्ञानिकों ने बायो हेस्पिराइट्स नाम समुद्री शोध जहाज से ब्राजील, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और हवाई द्वीप समेत कई देशों की समुद्री यात्रा कर इन्हें आंकड़ों में सहेजा है। जांच में टीम को 64 पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन्स मिले हैं जो अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागर में पाए गए। इनमें से कुछ अत्यंत विषैले हैं जो समुद्र को जहरीला बनाने का काम कर रहे हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि पीएएचएस की प्रति महीने उत्सर्जन की मात्रा इतिहास के सबसे बड़े तेल रिसाव की घटना से चार गुना अधिक खतरनाक है। तेल रिसाव के घातक परिणाम समुद्री जीवों के लिए बेहद नुकसानदायक है। वैज्ञानिकों की मानें तो कच्चे तेल में मौजूद पॉलीसाइक्लिक एरौमैटिक हाइड्रोकार्बन्स को साफ करना एक कठिन कार्य होता है। अगर यह साफ नहीं हुआ तो कई वर्षों तक तलछट और समुद्री वातावरण को जहरीला बनाए रखता हैं। यह तथ्य है कि मालवाहक जहाजों द्वारा जानबूझकर अवैध कचरे यानी कूड़ा-कबार समुद्र में छोड़ा जा रहा है। जबकि विदेशी और घरेलू नियमों के तहत ऐसे कार्य प्रतिबंधित हैं। एक अनुमान के मुताबिक कंटेनर ढ़ोने वाले मालवाहक जहाज तूफानों के दौरान हर वर्ष समुद्र में दस हजार ज्यादा कंटेनर खो देते हैं और उनमें लदा तेल समुद्री जीवों के जीवन पर भारी पड़ता है। तेल रिसाव के अलावा जहाज ध्वनि प्रदूषण भी फैलाते हैं जिससे जीव-जंतु परेशान होते हैं। इसके अलावा स्थिरक टैंकों से निकलने वाला पानी भी हानिकारण शैवाल एवं अन्य तेजी से पनपने वाली आक्रामक प्रजातियों को फैलाने में मददगार साबित होता है।

एक अन्य शोध में दावा किया गया है कि प्रशांत महासागर के एक बड़े क्षेत्र के समुद्री जल में ऑक्सीजन की मात्रा लगातार घट रही है। यह शोध जार्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने किया है। इसके पीछे भी एशियाई क्षेत्र से उत्पन वायु प्रदूषण को ही जिम्मेदार ठहराया गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि समुद्री प्रदूषण तब होता है जब रसायन, कण, औद्योगिक, कृषि रिहायशी कचरा या आक्रामक जीव समुद्र में प्रवेश करते हैं और हानिकारक प्रभाव उत्पन करते हैं। समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा, जैव विविधता और जलीय जीवों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए हाई सीज ट्रीट्री को अति शीघ्र मूर्त रूप दिया जाए। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में संपन्न हाई सीज ट्रीट्री के तहत 2030 तक दुनिया के 30 फीसदी महासागरों को संरक्षित किए जाने पर सहमति बन चुकी है। संधि में प्रावधान किया गया है कि समुद्री जलीय जीवन को संरक्षित करने के लिए निकाय बनेगा और जलीय जीवों को हो रहे नुकसान के आंकलन के लिए नियम बनेंगे।

अमृतवाणी

पिंजरे के पंछी

चंद्र प्रकाश के चार साल के बेटे को पंछियों से बेहद प्यार था। वह अपनी जान तक न्योछावर करने को तैयार रहता। ये सभी पंछी उसके घर के आंगन में जब कभी आते तो वह उनसे भरपूर खेलता। उन्हें जी भर कर दाने खिलाता। पेट भर कर जब पंछी उड़ते तो उसे बहुत अच्छा लगता। एक दिन बेटे ने अपने पिता जी से अपने मन की एक इच्छा प्रकट की। पिता जी, क्या चिड़िया, तोता और कबूतर की तरह मैं नहीं उड़ सकता? नहीं। क्यों नहीं? क्यों कि बेटे, आपके पंख नहीं हैं। पिता जी, क्या चिड़िया, तोता और कबूतर मेरे साथ नहीं रह सकते हैं? क्या शाम को मैं उनके साथ खेल नहीं सकता हूं? क्यों नहीं बेटे? हम आज ही आपके लिए चिड़िया, तोता औ कबूतर ले आएंगे। जब जी चाहे उनसे खेलना। हमारा बेटा हमसे कोई चीज मांगे और हम नहीं लाएं, ऐसा कैसे हो सकता है? शाम को जब चन्द्र प्रकाश घर लौटे तो उनके हाथों में तीन पिंजरे थे - चिड़िया, तोता और कबूतर के। तीनों पंछियों को पिंजरों में दुबके पड़े देखकर पुत्र खुश न हो सका। दूसरे दिन जब चन्द्र प्रकाश काम से लौटे तो पिंजरों को खाली देखकर बड़ा हैरान हुए। पिंजरों में न तो चिड़िया थी और न ही तोता और कबूतर। उन्होंने पत्नी से पूछा-ये चिड़िया, तोता और कबूतर कहां गायब हो गए हैं? अपने लाडले बेटे से पूछिए। पत्नी ने उत्तर दिया। चन्द्र प्रकाश ने पुत्र से पूछा-बेटे, ये चिड़िया, तोता और कबूतर कहां हैं? पिता जी, पिंजरों में बंद मैं उन्हें देख नहीं सका। मैंने उन्हें उड़ा दिया है। अपनी भोली जबान में जवाब देकर बेटा बाहर आंगन में आकर आकाश में लौटते हुए पंछियों को देखने लगा। सच है सच्ची खुशी जिन्हें हम प्यार करते हैं उनको खुश देखने में है। उन्हें बांधकर अपने सामने रखने में नहीं।

तीखी नजर

होटल का मेन्यू और परीक्षा का प्रश्नपत्र

संतोष दिवाकर

जैसे परीक्षा भवन में जाने के बाद अपना कमरा और सीट खोजते हैं, वैसे ही होटल में जाने के बाद खाली टेबल खोजते हैं, ताकि वहां बैठकर भोजन कर सकें। यदि टेबल खाली नहीं है तो जिस तरह ट्रेन और बस में सीट लूटने की होड़ मची रहती है और लोग सीट लूटने के लिए कपड़ा-रुमाल फेंकते हैं, वैसे ही होटल में जिस टेबल के लोगों का भोजन समाप्ति की ओर रहता है उस टेबल के पास जाकर खड़े हो जाते हैं कि कब लोग उठें और झट से बैठ जाएं। पास खड़े लोगों को देखकर उस टेबल पर खा रहे लोग सोचने लगते हैं कि भाई खाना जल्दी समाप्त करो नहीं तो ये लोग हमलोगों को जबरन कुर्सी से उठा देंगे और खुद बैठ जाएंगे।

सामान्य रूप से मेनू का अर्थ होटल आदि में खाने के समान में क्या-क्या उपलब्ध है, उसके लिखित सूचना से किया जाता है। यूं आज के इस कंप्यूटरीकृत युग में मेनू अब एक सामान्य शब्द हो गया है, जिसका उपयोग कंप्यूटर-मोबाइल में होता रहता है। मेनू का प्रयोग बड़े अधिकारियों और मंत्रियों के यहां ज्यादा होता है, जहां सुबह-सुबह उन लोगों को बताया जाता है कि सर यह है आज के खाना का मेनू, यह है आज के मीटिंग का मेनू आदि। होटल में खाने के मेज पर बैठने के बाद जिस तरह परीक्षा भवन में प्रश्न पत्र बांटा जाता है वैसे ही होटल में बैठने के बाद बैरा द्वारा मेनू कार्ड दिया जाता है। परीक्षा में प्रश्नपत्र के आगे कौन प्रश्न कितने अंक का है, लिखा रहता है वैसे ही मेनू में हर भोजन सामग्री के सामने उसकी कीमत अंकित रहती है। नौजवान उस मेनू को बड़े गौर से पढ़ते हैं उसमें क्या-क्या नया है, क्या-क्या अच्छा है उस पर मन ही मन मंथन करते हैं जैसे राजनीतिक दलों के लोग चुनाव हारने के बाद मंथन करते हैं।

थोड़ी देर बाद सभी आपस में चर्चा करने लगते हैं कि क्या खाया जाए और क्या-क्या नहीं खाया जाए जैसे परीक्षा में प्रश्न पत्र को पढ़ने के बाद सब सोचता है कि किस प्रश्न का जवाब देना है किसका जवाब नहीं देना है। यदि पारिवारिक आयोजन है तो साथ गए कोई बुजुर्ग हैं तो वे मार्गदर्शक मंडल के सदस्य की तरह एक किनारे बैठे रहते हैं। फिर बैरा को बुलाया जाता है और कहा जाता है कि इसमें यह सब सामान दीजिए, फिर बैरा कहता है कि यह सामान नहीं हो पाएगा तो ग्राहक कहते हैं तो फिर लिखा क्यों है? सर, यदि चुनावी घोषणा पत्र में वादे नहीं किए जाएंगे तो वोट कहां से मिलेगा और चुनाव का वादा तो वादा है पूरा करें तो भी वाह ना पूरा करें तो कोई बात नहीं, अगली बार पूरा करूंगा यह वादा रहा। यही स्थिति इस मेनू की है, लंबा चौड़ा बना दिया गया है, ताकि ग्राहक आकर्षित हो जाएं।पसंद किए हुए सामान के नहीं रहने पर नवयुवक लोग नाराज हो गए जैसे परीक्षा में आउट ऑफ सिलेबस प्रश्न आ जाने पर नाराज हुआ करते थे और वॉक आउट कर जाते थे परंतु थाली का वह मेनू कब आएगा जिसमें आम लोगों के लिए कुछ खास नहीं तो खाने की जो आम चीजें हर थाली में होगी जो आम मूल्य पर लोगों को मिल जाया करेंगी?

नजरिया

कृषि में नई क्रांति का आगाज हल्दी आयोग

प्रभुनाथ शुक्ला

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली में हल्दी बोर्ड के गठन की घोषणा की है। गंगा रेड्डी को बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे हल्दी की उन्नतशील खेती में किसानों को जहां मदद मिलेगी दूसरी तरफ वैश्विक बाजार पर भारत का सौ फीसदी कब्जा होगा। क्योंकि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हल्दी उत्पादन और खपत करने वाला देश है। वैश्विक जरूरत की 70 फीसदी की आपूर्ति भारत करता है। हल्दी के निर्यात को पांच साल में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

हल्दी हमारे संस्कृति और संस्कार में बसी है। हाथ पीले करने के लिए हल्दी आवश्यक है। हमारे यहां हल्दी को शुभ माना जाता है। हमारे यहां कोई भी संस्कार बगैर हल्दी के संम्पन्न नहीं होता है। जीवन के आगमन और महाप्रयाण में भी हल्दी का अपना महत्व है। हल्दी आयुर्वेद की सबसे गुणकारी औषधि है यह एंटीबायोटिक भी है। लेकिन अब भारतीय हल्दी किसानों के लिए एक अच्छी खबर आयी है। केंद्र सरकार ने हल्दी किसानों की 40 सालों से चली आ रही लबी मांग को मान लिया है। सरकार ने हल्दी आयोग का गठित करने की अधिसूचना जारी कर दिया है। बोर्ड का मुख्यालय तेलंगाना के निजामबाद में होगा। देश के हल्दी किसान जहां संवृद्ध होंगे वहीं हल्दी निर्यात में भारत का अपना दबदबा होगा। भारत में सबसे अधिक हल्दी का उत्पादन दक्षिण भारत में होता है। आयोग के गठन से जहां हल्दी की नई-नई प्रजातियों का विकास होगा। इसके अलावा हल्दी का कृषि क्षेत्र राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक होगा। देश के दूसरे हिस्सों में भी शोध के जरिए जलवायु और मिट्टी की गुणवत्ता से हल्दी की नई प्रजाति का विकास कर इसके उत्पादन को और व्यापक बनाया जा सकता है। इससे जहाँ हल्दी के किसानों की आय दोगुनी होगी वहीं दुनिया के हल्दी बाजार पर भारत का एकाधिकार होगा। देश के तकरीबन 20 राज्यों में हल्दी की खेती व्यापक पैमाने पर होती है। आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और मेघालय जैसे राज्य शामिल हैं। हल्दी बोर्ड जहां अच्छे उत्पादन देने वाली किस्मों का विकास करेगा। जिसका लाभ देश के किसानों को मिलेगा। हल्दी से जहाँ कई दवाएं बनती है वहीं सौंदर्य प्रसाधन में भी हल्दी का प्रयोग होता है।हमारे जीवन में हल्दी का बहुत उपयोग है।

भारत सरकार को किसानों के लिए ऐसा कृषि विकल्प लाने की जरूरत है जिसमें लगत कम हो और किसानों को लाभकारी मूल्य मिले। जिससे जहां किसान आर्थिक आमदनी तय करेगा वहीं वह नई खेती की तरफ उसका रुझान बढ़ेगा। किसान समृद्ध होंगे।

निश्चित रूप से हल्दी बोर्ड सरकार के अन्य मंत्रालयों और विभागों से मिलकर हल्दी के निर्यात की रणनीति बनाएगा। भारत ने बीते साल 2023-2024 में 226.5 मिलियन डॉलर की हल्दी का निर्यात किया। कुल 1.62 लाख टन हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया। बोर्ड के गठन के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसन्धान से

गुणवता परक हल्दी का निर्यात ग्लोबल स्तर पर होगा। भारत को एक टिकाऊ स्पर्धा का बाजार उपलब्ध कराएगा। इससे जहाँ हल्दी का उत्पादन बढ़ेगा वहीं निर्यात से विदेशी मुद्रा भंडार में भी वृद्धि होगी। सरकार को परम्परागत कृषि को संवृद्ध करने के साथसाथ औषधिय खेती और दूसरे कृषि उत्पाद पर भी इस तरह के आयोग का गठन करना चाहिए। जिसका प्रभाव दुनिया के कृषि बाजार पर व्यापक होगा। देश का किसान जहाँ आर्थिक रूप से संवृद्ध होगा और दूसरी तरफ भारतीय कृषि उत्पादों का एकाधिकार बढ़ेगा। कृषि के वैश्विक बाजार पर पकड़ बनाने के लिए भारत के पास अपार संभवानाएं हैं। अब सरकार किसानों के लिए कितना कुछ कर पाती है यह उस पर निर्भर है।

भारत में गतवर्ष यानी 2023-2024 में 3.05 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में हल्दी की खेती कर 10.74 लाख टन उत्पादन किया गया। हमारे यहां हल्दी की तीस प्रजातियों की खेती की जाती है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में 3.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती की गई थी और इस दौरान उत्पादन 11.61 लाख टन रहा था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वैश्विक हल्दी उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक है और यहां हल्दी की 30 किस्में उत्पादित की जाती हैं। सरकार को उम्मीद है की पांच साल यानी 2030 तक हल्दी निर्यात एक बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। केंद्र ने हल्दी बोर्ड के गठन की अधिसूचना जारी कर दिया है। दुनिया के हल्दी उत्पादन में भारत अग्रणी है। यह विश्व के कुल हल्दी उत्पादन का 60 से 70 फीसदी उत्पादन किया जाता है। साल 2022 और 2023 में 380 देशों को हल्दी और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया गया। जिससे 207.45 मिलियन अमरीकी डॉलर की आय हुई। भारत के प्रमुख हल्दी आयातकों में अमेरिका, यूएई, मलेशिया और बांग्लादेश शामिल हैं। हल्दी आयोग का निश्चित रूप से एक खुली पारदर्शी कृषि नीति है। हल्दी की खेती करने वालों के लिए एक सुखद परिणाम लेकर आएगी।

सरकार को इस तरह की और खेती को बढ़ावा देना चाहिए। कृषि नीति को और कारगर और प्रभावशाली बनाने की जरूरत है। खेती में सरकार के पास असीमित शोध का क्षेत्र है। वैश्विक बाजार का अध्ययन कर देश को खेती के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा करनी होगी। हमें किसानों के लिए ऐसा कृषि विकल्प लाने की जरूरत है जिसमें लगत कम हो और किसानों को लाभकारी मूल्य मिले। जिससे जहां किसान आर्थिक आमदनी तय करेगा वहीं वह नयी खेती की तरफ उसका रुझान बढ़ेगा। इसके अलावा भारत को मौसम, मृदा और जलवायु के हिसाब से कृषि क्षेत्र में विभाजित कर कृषि निर्धारण करना चाहिए।

सार संक्षेप

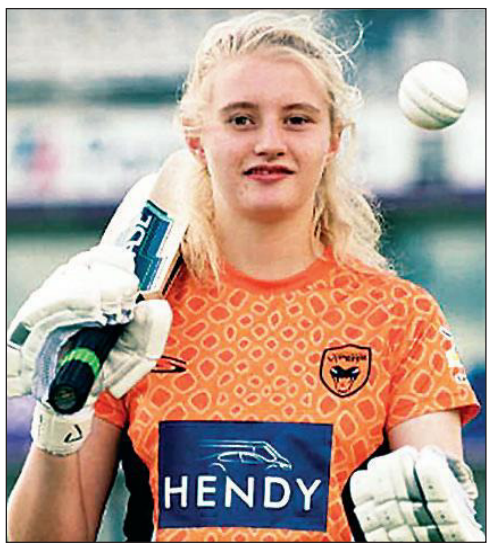

डब्ल्यूपीएल 2025 में आरसीबी टीम के लिए खेलेंगी इंग्लैंड की चार्ली डीन

नई दिल्ली : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आगामी वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए चोटिल सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लैंड की ऑलराउंडर चार्ली डीन को टीम में शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया की बाएं हाथ की स्पिनर मोलिनक्स घुटने की चोट से परेशान है। उनके घुटने की सर्जरी होने के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज से भी बाहर हो गई हैं। डीन को पिछले वर्ष अक्टूबर-नवंबर में डब्ल्यूबीबीएल के दौरान घुटने में चोट लग गई थी। जिसके कारण मोलिनक्स लगातार परेशानी से जूझ रही थी। वह मेलबर्न रेनेगेड्स की कप्तान होने के बावजूद 11 में से चार मैच नहीं खेली पाई। डीन ने इंग्लैंड के लिए खेले 36 टी-20 में 18.19 की शानदार औसत से 46 विकेट चटकाये हैं। आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर मोलिनक्स के न खेल पाने की वजह से उनका डब्ल्यूपीएल में पर्दापण होगा। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूपीएल आगामी सात फरवरी से शुरु होगा।

उत्तम प्रदर्शन करने वाले 25 क्रिकेट खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

भरतपुर : राजस्थान में भरतपुर में गुरुवार को भरतपुर जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में अंडर-16 एवं अंडर-19 टीमों के 25 खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। क्रिकेट संघ के प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर दीपक चाहर और रवि विश्नोई के साथ गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेडम भी उपस्थित रहे। प्रवक्ता ने बताया कि कार्यक्रम में दीपक चाहर ने भरतपुर के क्रिकेट खिलाड़ियों के रणजी ट्रॉफी साथ राष्ट्रीय स्तर पर अंडर-19 में खेलने पर प्रसन्नता जाहिर की। क्रिकेटर रवि विश्नोई ने भरतपुर के क्रिकेट खिलाड़ियों के सभी स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने का जिक्र करते कहा कि इसमें जिला क्रिकेट संघ की महती भूमिका रही है। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव शत्रुघन तिवारी सहित संघ के पदाधिकारियों ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया।

भारतीय महिलाओं ने मलेशिया को और पुरुष टीम ने भूटान को हराया

नई दिल्ली : खो खो विश्वकप में गुरुवार को भारतीय महिलाओं ने मलेशिया को 80 अंको तथा पुरुष टीम ने भूटान को 37 अंक से हराया। इसी के साथ दोनों भारतीय टीमों ने क्वॉटर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली हैं। यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में भारतीय पुरुष टीम ने भूटान को 71-34 से हराया। इस जीत से भारत का ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए क्वॉटर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। मेजबान टीम ने पहले टर्न में ही शानदार आक्रमण करते हुए 32 अंक अर्जित किए। भारतीय टीम के स्काई डाइविंग कौशल विशेष रूप से उल्लेखनीय थे, जिसमें खिलाड़ियों ने पूरे मैच के दौरान उल्लेखनीय चपलता का प्रदर्शन किया। दूसरे टर्न में, भारत ने अपनी रक्षात्मक विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया और भूटान के हमलों को प्रभावी ढंग से रोका। भूटान की टीम गति के बावजूद, भारत के रणनीतिक खेल और चतुर प्रबंधन की बदौलत तीन बैचों में केवल 18 अंक ही हासिल कर पाई। तीसरे टर्न में भारत ने नए जोश के साथ आक्रमण मोड में वापसी की। निखिल अपनी असाधारण स्काई डाइविंग क्षमताओं के साथ एक बेहतरीन प्रर्दशनकर्ता के रूप में उभरे, जिससे टीम को 36 अंक हासिल करने में मदद मिली। भारतीयों ने अपने खोस में बेहतरीन समन्वय का प्रर्दशन किया, रनिंग टच और स्काई डाइव को प्रभावी ढंग से संयोजित किया। भूटान ने अपने अंतिम आक्रमणकारी मोड़ में संघर्ष किया और आधे से अधकि समय में केवल 9 अंक ही प्राप्त किए। भारत के समग्र प्रर्दशन में उनके आक्रमणकारी मोड़ों में 18 स्काई डाइव, 2 पोस्ट-डाइव पॉइंट और 8 रनिंग टच पॉइंट का प्रभावशाली टैली शामिल था। वहीं महिला वर्ग के मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने रणनीति और कौशल के मास्टरक्लास में मलेशिया को एक शानदार जीत के साथ कुचल दिया। डिफेंडर भीलर ओपिनबेन और मोनिका के शानदार ड्रीम रन से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम ने सभी चार टर्न पर अपना दबदबा बनाए रखा और 80 अंकों की शानदार जीत हासलि की। इस जीत ने भारत को ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंचा दिया और अब क्वॉटर फाइनल में उसका मुकाबला बांग्लादेश से होगा।

तीसरे राउंड में पहुंचीं इगा स्वियातेक

ऑस्ट्रेलियन ओपन : ब्रिटेन की राडुकानू से होगा मुकाबला, श्रीराम बालाजी की जोड़ी जीती

● मेलबर्न,

पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी ने गुरुवार को दूसरे राउंड में दुनिया की 49वें नंबर की खिलाड़ी रेबेका स्त्रामकोवा को 6-0, 6-2 से हराया। अब स्वियातेक का मुकाबला ब्रिटेन की राडुकानू से होगा।

2021 की यूएस चैंपियन राडुकानू ने अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-5 से हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में जगह बनाई। स्वियातेक ने लगातार पांचवीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में जगह बनाई है। राडुकानू पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में पहुंची है।

एन बालाजी, मिगुएल रेयेस-वरेला की जोड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में पहुंची

ऑस्ट्रेलियन ओपन में गुरुवार को पुरुष युगल मुकाबले में भारतीय टेनिस खिलाड़ी एन श्रीराम बालाजी और उनके मैक्सिकन जोड़ीदार मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला ने रॉबिन हासे और एलेक्जेंडर नेडोवेसोव की जोड़ी को हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली है। यहां खेले गये मुकाबले में एन श्रीराम बालाजी और मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला की भारतीय-मैक्सिकन जोड़ी ने डेनमार्क-कजाकिस्तान की जोड़ी को पुरुष युगल मैच में 6-4, 6-3 से हराया। भारतीय जोड़ी ने मुकाबले के दौरान शानदार प्रदर्शन करते हुए 23 विनर्स लगाए। ऑस्ट्रेलियन ओपन का इतिहास ऑस्ट्रेलियन ओपन साल का पहला ग्रैंड स्लैम होता है। लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया ने इस टूर्नामेंट को 1905 में शुरू किया था, जिसे पहले ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप कहा जाता था। बाद में लॉन टेनिस एसोसिएशन ऑफ ऑस्ट्रेलिया टेनिस ऑस्ट्रेलिया बन गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलियन चैंपियनशिप को ऑस्ट्रेलियन ओपन नाम दे दिया गया। 1969 से इस टेनिस टूर्नामेंट को आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रेलियन ओपन के नाम से जाना जाने लगा। टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरूआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है।

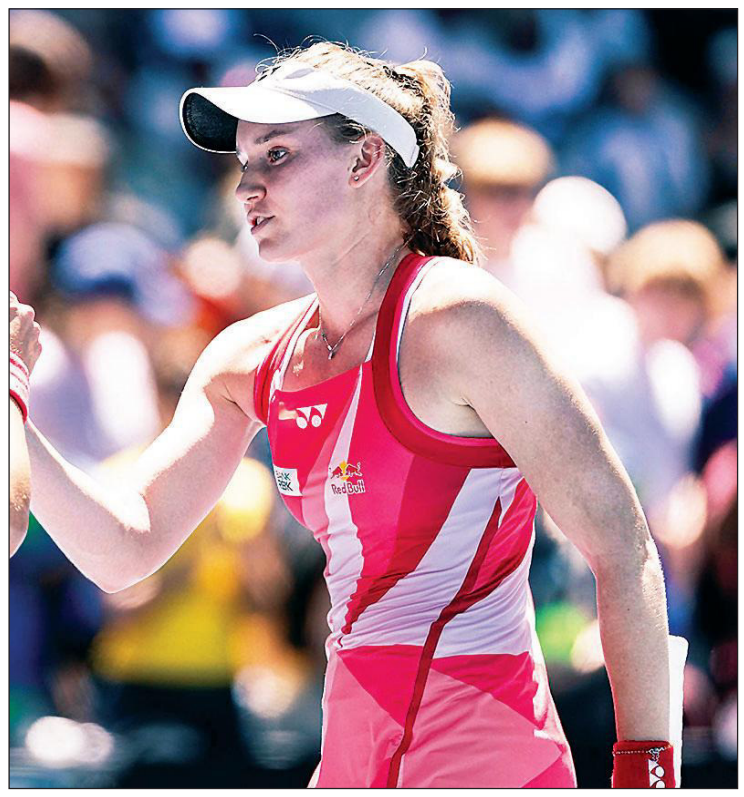

मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में वर ओपन होता है। वर ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

इंग्लैंड सीरीज के लिए सितांशु होंगे बल्लेबाजी कोच

मुंबई, वार्ता : सितांशु कोटक को सीमित ओवरों की सीरीज और चैंपियंस से पहले आगामी 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली घरेलू श्रृंखला के लिए टीम का बल्लेबाजी कोच बनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सौराष्ट्र के पूर्व बल्लेबाज सितांशु कोटक भारत के बल्लेबाजी कोच बनने को तैयार हैं। वह मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ के पांचवें सहायक सदस्य होंगे। 52 वर्षीय कोटक को 20 साल के प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अनुभव है। उन्होंने 2013 में संन्यास लिया था। वह 2019 से ही एनसीए में एक बल्लेबाजी कोच के तौर पर जुड़े हैं। उन्होंने इंडिया ए के कई दौरों पर प्रमुख कोच की भी भूमिका निभाई है। वह 2023 में आयरलैंड दौरे पर भारत की सीनियर टीम के भी कोच थे। उल्लेखनीय है कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में मिली करारी हार के बाद पिछले सप्ताह भातीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक समीक्षा बैठक बुलाई थी। बैठक में भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी कोच रखने का सुझाव दिया था। जिसके मानकर बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए सितांशु कोटक को भारतीय टीम के कोचिंग दल में शामिल किया है वो भारतीय टीम के खिलाड़ियों को बल्लेबाजी के गुर सिखाएंगें।

आयरलैंड महिला टीम पर लगा 10 प्रतिशत जुर्माना

राजकोट, वार्ता : आईसीसी ने भारत के खिलाफ खेले गये तीसरे एकदिवसीय मैच में धीमी ओवर गति के लिए आयरलैंड की टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। एमिरेट्स आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल की मैच रेफरी जी एस लक्ष्मी ने तय समय से दो ओवर कम डालने पर आयरलैंड पर यह जुर्माना लगाया। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय के भीतर गेंदबाजी पूरी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। जो न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित है। आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस ने प्रस्तावित जुर्माने को स्वीकार कर लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं रही। गौरतलब है कि बुधवार को खेले गए मैच में भारत ने तीसरा वनडे रिकॉर्ड 304 रन से जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह महिला वनडे में मेजबान टीम की सबसे बड़ी जीत भी थी। भारत की शानदार जीत की आधारशिला प्रतिका (154) और मंधाना (135) दोनों के शतकों से रखी गई।

तीन अभ्यास मैच खेलेगी इंडिया-ए

रोहित और विराट का रणजी ट्रॉफी में हिस्सा लेने पर अब तक सस्पेंस बरकरार

आईपीएल के ठीक बाद शुरू होंगे मुकाबले, पांच टेस्ट की सीरीज 20 जून से

● मुंबई,

जून में इंग्लैंड दौरे से पहले इंडिया-ए टीम इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 3 चार दिवसीय मैच खेलेगी। मुकाबले 25 मई को आईपीएल खत्म होने के ठीक बाद शुरू होंगे और 20 जून को टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले खत्म भी हो जाएंगे। टीम इंडिया के आउट ऑफ फॉर्म बैटर्स के पास इंडिया-ए के साथ जुड़कर बड़ी सीरीज से पहले फॉर्म हासिल करने का मौका रहेगा।

रिपोर्ट अनुसार, बीसीसीआई ने इंडिया-ए की सीरीज इसीलिए रखी है ताकि बल्लेबाज यहां खुद को साबित कर सकें। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा प्लेयर्स को टेस्ट सीरीज में भी मौका मिल सकता है। वहीं सीनियर प्लेयर्स इंडिया-ए में शामिल होकर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकें तो उन्हें टीम से बाहर भी किया जा सकता है। टीम इंडिया पिछले दिनों ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की सीरीज 3-1 से हार गई। यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और नीतीश रेड्डी को छोड़कर टीम के ज्यादातर बैटर्स फ्लॉप ही रहे।

विराट कोहली एक ही शतक लगा सकें, वहीं कप्तान रोहित शर्मा तो सीरीज में 31 रन ही बना पाए। बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के बाद मांग उठी कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट और प्रैक्टिस मैच में भी हिस्सा लेना चाहिए। अब टेस्ट टीम को 20 जून से इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज खेलना है। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ सीरीज का शेड्यूल रिलीज नहीं हुआ, लेकिन देखना अहम होगा कि आउट ऑफ फॉर्म बैटर्स सीरीज से पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेंगे या नहीं? खराब बैटिंग के कारण भारत को अपने ही घर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से सीरीज गंवानी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया में तो हालात इतने खराब हो गए थे कि कप्तान रोहित को खराब फॉर्म के कारण सिडनी में आखिरी टेस्ट से पहले खुद को ही बेंच पर बैठाना पड़ा। सीनियर बैटर विराट कोहली का फॉर्म भी इस दौरान कुछ खास नहीं रहा। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ एक फिफ्टी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक ही शतक लगा सके। ऑस्ट्रेलिया में तो वह हर बार एक ही तरीके से आउट हुए, वे ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर विकेट के पीछे ही कैच हुए। विराट की इस कमजोरी की शुरूआत 2014 में इंग्लैंड दौरे से ही हुई थी, वे अब फिर एक बार इंग्लैंड में टेस्ट खेलने के लिए तैयारी कर रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज शुरू होने से पहले रणजी ट्रॉफी का एक मैच भी होगा। ऋषभ पंत, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा प्लेयर्स इस मुकाबले में हिस्सा लेंगे। वहीं रोहित और विराट के हिस्सा लेने पर अब तक सस्पेंस बरकरार है। रोहित मुंबई और विराट दिल्ली से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं, मुकाबला 23 जनवरी से शुरू होने वाला है। रणजी ट्रॉफी का अगला मैच फिर 30 जनवरी से शुरू होकर 2 फरवरी तक चलेगा। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज 6 फरवरी से शुरू हो जाएगी। यानी वनडे स्क्वॉड का हिस्सा बनने वाले खिलाड़ी 23 जनवरी वाले रणजी मैच को ही खेल सकेंगे। क्योंकि दूसरे मैच के दौरान उन्हें टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन में भी जुड़ना होगा। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज से पहले बीसीसीआई अक्सर इंडिया-ए की सीरीज आयोजित कराता है। इंग्लैंड का पिछला दौरा टीम ने 2021 में किया था, तब इंडिया-ए से सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे खिलाड़ी खेले थे। चारों प्लेयर्स अब टीम इंडिया का हिस्सा भी बन चुके हैं।

सलमान खान के सामने रवि किशन बॉलिंग करेंगे सीसीएल में : मनोज तिवारी

दिल्ली। सीसीएल का 11 सीजन दिल्ली में होने जा रहा है फरवरी में शुरू होने वाला सीसीएल के कई मैच दिल्ली में होंगे यह जानकारी मुंबई हीरोज टीम के ओनर सोहेल खान ने दी है दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सोहेल खान के अलावा मशहूर क्रिकेटर युवराज भी मौजूद थे जो सीसीएल का हौसला बढ़ाने के लिए आए थे इसके अलावा बिहार दबंग के मनोज तिवारी रवि किशन सीसीएल के ओनर विष्णु इंदौरी सीसीएल के खिलाड़ी एवं अभिनेता साकिब सलीम, समीर कोचर जॉर्डी पटेल, आदिल जगमगिया, श्याम सुंदर और अब्बास मुनि आदि लोग भी मौजूद थे इस अवसर पर मनोज तिवारी मुंबई हीरो के ओनर सोहेल से कहा कि आप अपने भाई सलमान खान को भी इस बार सीसीएल में खेलने का मौका दीजिए इस पर सोहेल ने कहा कि वह मेरे भाई हैं और मैं उन्हें बतौर खिलाड़ी आपकी टीम को कैसे दे सकता हूं इस पर मनोज तिवारी ने हंसते हुए कहा कोई बात नहीं आप अपनी टीम से ही खेलाए लेकिन सलमान को इस बार खेलने के लिए जरूर बोलिए अगर आपकी टीम से सलमान खान खेलेंगे तो मैं अपनी टीम से रवि किशन को बॉलिंग पर उतार दूंगा इसी तरह के खुशनुमा माहौल में सीसीएल की तैयारी के बारे में मीडिया को बताया गया कौन कितने दिनों से कितनी प्रैक्टिस कर रहा है और इस बार हर खिलाड़ी ने अपने जीत का दाव ढोका।

प्रतिस्पर्धा

इटली के बाडोर्नेचिया में 2025 एफआईएसयू विंटर वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में महिलाओं की अल्पाइन संयुक्त स्लैलम प्रतियोगिता के दौरान प्रतिस्पर्धा करती फ्रांस की एमी चार्बोनियर।

सिंधु, सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में

इंडिया ओपन बैडमिंटन: महिला डबल्स में भारत की चुनौती खत्म

● नई दिल्ली, वार्ता

पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ी ने इंडिया ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मेंस सिंगल्स में किरण जॉर्ज ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। वहीं विमेंस डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में भारत की चुनौती खत्म हो गई।

बीडब्ल्यूएफ का वर्ल्ड टूर सुपर 750 टूर्नामेंट नई दिल्ली के केडी जाधव इनडोर हॉल में खेला जा रहा है। मंगलवार को सिंधु और सात्विक-चिराग ने अपने-अपने पहले राउंड के मुकाबले जीते थे। पेरिस ओलिंपिक के बाद दूसरा ही बैडमिंटन

टूर्नामेंट खेलने उतरीं सिंधु ने सीधे गेम में जीत दर्ज कर ली। उन्होंने जापान की मनामी सुईजु को 21-15, 21-13 से हराया। अनुपमा उपाध्याय को जापान की टोमोका मियाजाकी के खिलाफ 6-21, 9-21 से हार मिली। वहीं मेंस सिंगल्स में किरण ने फ्रांस के एलेक्स लैनियर को 22-20, 21-13 से हरा दिया। सिंधु का सामना चौथी सीड इंडोनेशिया की जॉर्जिया मारिस्का तुंजुंग से होगा। जिन्होंने जापान की नात्सुकी नादायरा को 21-12, 24-22 से हराया। दूसरी ओर मेंस सिंगल्स में किरण का सामना चीन के हॉन्ग यांग वेंग से होगा। जिन्होंने मलेशिया के जुन हाओ को 21-18, 21-12 से हराया। मेंस डबल्स में 2022 के चैंपियन सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी को जीत मिली। दोनों ने जापान के केन्या मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा की जोड़ी के खिलाफ पहला गेम 20-22 से गंवा दिया। दोनों ने फिर वापसी की, 21-14, 21-16 से बाकी 2 गेम जीते और मैच अपने नाम कर लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)